आर. एन. आई. नं. UPHIN/2010/32566 डाक. पंजीयन. संख्या– SSP/LW/NP-311

अद्भुत समाचार

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी साप्ताहिक

हर ख़बर पर पैनी नज़र

वर्ष : 13 अंक : 46 लखनऊ, मंगलवार 14 मार्च 2023 से 20 मार्च 2023 तक पृष्ठ–8 मूल्य : एक

सार्वजनिक धार्मिक स्थलों पर होते कब्जों पर दिल्ली उच्च न्यायालय चिंतित

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने इंडिया गेट के पास स्थित एक संपत्ति को डी–सील करने की मांग करने वाली एक व्यक्ति की याचिका को खारिज करते हुए सार्वजनिक पूजा स्थलों को निजी घरों में बदलने पर चिंता जताई है। उच्च न्यायालय ने कहा कि पूजा स्थलों को आवासों में बदल दिया जाता है और परिसर की देखभाल करने वाले लोगों द्वारा कब्जा कर लिया जाता है, जिसमें उनके विस्तारित परिवार, घरेलू नौकर और अन्य अतिचार शामिल हैं, जो कानून के विपरीत है। न्यायमूर्ति प्रतिभा सिंह की एकल न्यायाधीश पीठ ने अपने ६ मार्च के फैसले में कहा कि सार्वजनिक पूजा स्थलों को आवासों में बदल दिया जाता है और उन व्यक्तियों द्वारा कब्जा कर लिया जाता है जो उक्त स्थानों की देखभाल करते हैं, जिसमें उनके विस्तारित परिवार, घरेलू नौकर और अन्य अतिचारी शामिल हैं। अदालत ने कहा कि उसने देखा है कि इन पूजा स्थलों को आवंटित भूमि से आगे बढ़ाया जाता है और वाणिज्यिक संपत्ति में परिवर्तित कर दिया जाता है, और किराए/पट्टे

की राशि अवैध और अनधिंत तरीके से एकत्र की जाती है। यहां तक घ्कि वर्तमान मामले में भी यह स्पष्ट नहीं है कि किस आधार पर याचिकाकर्ता द्वारा 'श्रमिकों' के रूप में वर्णित इतने सारे व्यक्तियों को संपत्ति में शामिल किया गया और वे कई वर्षों तक संपत्ति पर कब्जा करते रहे। हाई कोर्ट मान सिंह रोड पर मस्जिद जब्ता गंज के बगल में स्थित एक प्रमुख संपत्ति से संबंधित याचिका पर सुनवाई कर रहा था। याचिकाकर्ता जहीर अहमद ने उक्त संपत्ति को डी–सील करने की मांग की थी, जिसमें एक कमरा, रसोई, बाथरूम और मस्जिद से सटे कुछ स्थान शामिल हैं। उन्होंने कथित उत्पीड़न के खिलाफ एक निरोधक आदेश भी मांगा और संपत्ति पर पुनर्निर्माण कार्य करने की अनुमति मांगी। हाई कोर्ट ने कहा कि न्यायमूर्ति सिंह ने पाया कि अहमद एक 'अनधिकृत कब्जाधारी' था, जिसके बाद अहमद ने खुद अदालत को सूचित किया था कि उसके पक्ष में विचाराधीन संपत्ति का कोई शीर्षक दस्तावेज नहीं है। 'याचिकाकर्ता के पिता मस्जिद में एक इमाम थे और अदालत की राय में, यह इस कारण से हो सकता है कि याचिकाकर्ता अनधिकृत रूप से उक्त संपत्ति पर कब्जा कर लिया।

सीएम योगी ने 'नाटु नाटु' गीत की जीत पर टीम को दी बधाई

लखनऊ। प्रतिष्ठित अस्कर अवार्ड में भारतीय फिल्म 'आरआरआर' के गीत 'नाटु नाटु' ने अकादमी पुरस्कार में सर्वश्रेष्ठ मूल (ओरिजनल) गीत की श्रेणी में अस्कर जीता है। तो वहीं 'द एलिफेंट व्हिस्परर्स' ने 'डॉक्यूमेंट्री शॉर्ट सब्जेक्ट' श्रेणी में ऑस्कर अपने नाम किया है। इस जीत पर यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने इससे जुड़ी टीम को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। सीएम ने अंग्रेजी में ट्वीट कर इस सफलता को अविश्वसनीय और अद्वितीय बताया है। उन्होंने लिखा कि भारतीय फिल्म उद्योग के लिए ये बेहद गौरव की बात है। सीएम ने कहा ये भारतीय कला परिदृश्य के लिए अमृत काल है।

एलडीए ने ध्वस्त किया अवैध निर्माण

लखनऊ। लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) ने अवैध निर्माण के खिलाफ अभियान चलाया। गोसाईंगंज में १७ बीघा में किया गया निर्माण बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया। जिसका एलडीए से मानचित्र स्वींत नहीं कराया गया था और भूखंड काटे जा रहे थे। सोमवार को उपाध्यक्ष डॉ. इंद्रमणि त्रिपाठी के निर्देश पर प्रवर्तन जोन–१ की टीम पुलिस बल के साथ गोसाईंगंज पहुंची। क्षेत्र के ग्राम मलौली में राकेश सिंह द्वारा १० बीघा में बिना मानचित्र स्वीकृत कराए भूखंड काटे गए थे। ऐसे में टीम ने बुलडोजर से बाउंड्रीवाल, कार्यालय व अन्य निर्माण ध्वस्त कर दिया।

दादी के मृत देह का केजीएमयू को किया दान

लखनऊ। आलमबाग के चित्रगुप्त नगर आलमबाग की रहने वाली आलोका बागची (८८) का मृत शरीर अब केजीएमयू में मेडिकल की पढ़ाई कर रहे छात्रों के काम आएगा। उनके मृत शरीर को उनकी पौत्री यशिता बागची ने दान किया है। याशिता ने बताया कि दादी ने अपने जीवन में बहुत दुख देखे थे, करीब ३१ वर्ष पूर्व दादा स्व. तरुण कुमार बागची के निधन के बाद पिछले १० सालों में अपने तीनों बेटों, एक बहू के अलावा बेटी और बेटे के तीन बच्चों की अकाल मृत्यु देख चुकीं दादी चाहती थीं कि उनकी मृत्यु के बाद उनका शरीर दूसरों के काम आए, इसलिए वे अपने जीवनकाल में अपनी देह दान करने की औपचारिकता पूरी कर चुकी थीं। सोमवार की सुबह आलमबाग स्थित एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान उनका निधन हो गया। इसीलिए उनकी इच्छानुसार उनके शरीर को किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) को दान कर दिया गया है।

इलाहाबाद हाई कोर्ट परिसर से ३ महीने में हटाओ मस्जिद, सुप्रीम कोटका सख्त आदेश

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने एक बड़ा फैसला सुनाते हुए इलाहाबाद हाई कोर्ट परिसर में बनी मस्जिद को तीन महीने के भीतर हटाने का आदेश दिया। अपने परिसर में स्थित एक मस्जिद को हटाने के इलाहाबाद उच्च न्यायालय के २०१७ के आदेश के खिलाफ अपील को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया। लाइव लॉ के अनुसार जस्टिस एमआर शाह और सीटी रविकुमार की एक पीठ ने वक्फ मस्जिद उच्च न्यायालय और यूपी सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड द्वारा दायर विशेष अनुमति याचिकाओं को खारिज कर दिया और याचिकाकर्ताओं को इलाहाबाद हाईकोर्ट परिसर से मस्जिद को हटाने के लिए तीन महीने का समय दिया। याचिकाकर्ताओं को वैकल्पिक भूमि के लिए उत्तर प्रदेश सरकार को प्रतिनिधित्व करने की अनुमति देते हुए, शीर्ष अदालत ने कहा कि यदि याचिकाकर्ता तीन महीने की समय सीमा का पालन करने में विफल रहते हैं, तो अधिकारी मस्जिद को हटा या गिराया जा सकता है। मस्जिद की प्रबंधन समिति की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने कहा कि मस्जिद १९५० के दशक से है और इसे यूं ही हटने के लिए नहीं कहा जा सकता।"२०१७ में सरकार बदली और सब कुछ बदल गया। नई सरकार बनने के १० दिन बाद एक जनहित याचिका दायर की जाती है। जब तक वे हमें देते हैं, हमें वैकल्पिक स्थान पर स्थानांतरित होने में कोई समस्या

नहीं है। उच्च न्यायालय की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश द्विवेदी ने कहा कि यह पूरी तरह से धोखाधड़ी का मामला है। दो बार नवीनीकरण के आवेदन आए और कोई कानाफूसी तक नहीं हुई कि मस्जिद का निर्माण किया गया था और इसका उपयोग जनता के लिए किया गया था। उन्होंने नवीनीकरण की मांग करते हुए कहा कि यह आवासीय उद्देश्यों के लिए आवश्यक है। केवल यह तथ्य कि वे नमाज पढ़ रहे हैं, इसे मस्जिद नहीं बना देंगे। अगर सुप्रीम कोर्ट के बरामदे या हाईकोर्ट के बरामदे में सुविधा के लिए नमाज की अनुमति दी जाती है, तो यह मस्जिद नहीं बनेगी।

लखनऊ में दरोगा पर लगा छेड़खानी और रिश्वत लेने का आरोप

लखनऊ। विकासनगर थाने में इंस्पेक्टर महेश दुबे ने युवती से दोस्ती के बाद अवैध संबन्ध बनाने और अश्लील वीडियो बनाकर जुल्म ढहने का मामला ठंडा नहीं हो पाया था कि खाकी को शर्मसार करने वाला दूसरा मामला गोसाईंगंज थानाक्षेत्र से उजागर हुआ है। जहां जेल चौकी पर फरियाद लेकर पहुंची महिला के साथ दरोगा ने छेड़खानी कर रिश्वत ली और पीड़िता के भतीजे की चौकी में लात–घूसों से पिटाई कर दी। इस सम्बन्ध में पीड़िता ने आलाधिकारी से न्याय की गुहार लगाई है। गोसाईंगंज थानाक्षेत्र की रहने वाली पीड़िता का आरोप है कि शनिवार की रात मारपीट के मामले में जेल चौकी इंचार्ज ने उसके भतीजे को पकड़ लिया था। पीड़िता को यह बात पता चली तो वह भतीजे को छुड़वाने के लिए जेल चौकी पहुंच गई। आरोप है कि चौकी प्रभारी ने पीड़िता के भतीजे को छोड़ने की बात कह कर उसे चौकी के अंदर बुलाया उससे अश्लील हरकत शुरु कर दी। विरोध किए जाने पर चौकी इंजार्च पीड़िता के भतीजे को जेल भेजने की धमकी देने लगा। मुंह बंद रखने और भतीजे को छोड़ने के लिए दरोगा २५ हजार रुपये की मांग करने लगा। पीड़िता ने बताया कि आनन–फानन उसने २३ हजार रुपये दरोगा को दिए। बावजूद इसके दरोगा ने उसके भतीजे को नहीं छोड़ा। आरोप है कि दरोगा पीड़िता से अतिरिक्त २० हजार रुपये की मांग करने लगा। हालांकि ,कुछ घंटे बाद पुलिस ने महिला के भतीजे को छोड़ दिया। इस सम्बन्ध में पीड़िता ने एक वीडियो जारी कर दरोगा के खिलाफ संगीन आरोप लगाए हैं। इसके पीड़िता ने डीसीपी साउथ को लिखित शिकायत दी है। गोसाईंगंज प्रभारी निरीक्षक दीपक पांडे ने बताया कि महिला के लगाए गए आरोप है निराधार है। वह पहले भी कई पुलिसकर्मियों पर आरोप लगा चुकी है।

सम्पादकीय

राहुल गांधी की संसद सदस्यता समाप्त करने की माँग तेज

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पर लंदन में दिये गये अपने भाषणों को लेकर शिकंजा कसता जा रहा है। आज से संसद के बजट सत्र का दूसरा चरण शुरू हुआ और ऐसे में मांग तेज हो गयी है कि राहुल गांधी की संसद की सदस्यता समाप्त की जाये क्योंकि उन्होंने भारतीय संसद के बारे में विदेशी मंच से जो कुछ कहा उसने भारत के लोकतंत्र को शर्मसार किया है। अभी एक दिन पहले कर्नाटक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी राहुल गांधी का नाम लिये बिना उन पर निशाना साधा तो आज सदन की कार्यवाही शुरू होते ही रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि विदेश से भारत को बदनाम करना बंद करें राहुल गांधी। इसके अलावा रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि राहुल गांधी को संसद से माफी मांगनी चाहिए। हम आपको यह भी बता दें कि इसके अलावा, संसदीय कार्यमंत्री प्रह्लाद जोशी ने भी सदन में कहा कि राहुल गांधी ने विदेशी धरती से संसद का अपमान किया है। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने भी राहुल गांधी के बयान की निंदा की। वहीं केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने मांग की है कि राहुल गांधी के विचार और आचरण देशद्रोही और टुकड़े–टुकड़े गैंग से कम नहीं हैं इसलिए राहुल गांधी पर देशद्रोह का मुकदमा चलना चाहिए। हम आपको यह भी बता दें कि इससे पहले भोपाल से भाजपा सांसद प्रज्ञा ठाकुर ने भी कहा था कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी को विदेशी धरती पर दिए गए उनके कुछ विवादास्पद बयानों के लिए उन्हें देश से निकाल करके फेंक दिया जाना चाहिए। प्रज्ञा ठाकुर ने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए दावा किया कि चाणक्य ने कहा था कि "विदेशी महिला से उत्पन्न पुत्र कभी देशभक्त नहीं हो सकता" और "राहुल गांधी ने इस कथन को सच साबित कर दिया है।" प्रज्ञा ठाकुर ने आगे कहा, "हमारे भारत के नहीं हो, मान लिया हमने, क्योंकि जो आपकी माताजी हैं वह इटली की हैं।" हम आपको याद दिला दें कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पिछले सोमवार को लंदन में ब्रिटिश सांसदों से कहा था कि भारत की लोकसभा में विपक्ष के लिए माइक अकसर 'खामोश' करा दिए जाते हैं। राहुल ने हाउस अफ कमन्स परिसर में स्थित ग्रैंड कमेटी रूम में विपक्षी दल लेबर पार्टी के भारतीय मूल के सांसद वीरेंद्र शर्मा द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान यह टिप्पणी की थी। इस टिप्पणी की देशभर में व्यापक निंदा की गयी है। राज्यसभा के सभापति, उपसभापति ने राहुल गांधी का नाम लिये बिना उनकी टिप्पणी को असत्य बताया है तो वहीं लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने भी कहा है कि सदन में सबको अपनी बात रखने की अनुमति दी जाती है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा है कि सभी सांसदों को संसद में अपने विचार व्यक्त करने का "निर्बाध अधिकार" है। ओम बिरला ने बहरीन के मनामा में अंतर–संसदीय संघ की १४६वीं सभा को संबोधित करते हुए कहा, "भारत में एक मजबूत सहभागी लोकतंत्र और एक जीवंत बहुदलीय प्रणाली है जहां लोगों की आशाएं और आकांक्षाएं निर्वाचित प्रतिनिधियों के माध्यम से अभिव्यक्त होती हैं और लोकसभा में सभी सदस्य अपने विचार व्यक्त करने के लिए स्वतंत्र हैं।'इसके अलावा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी राहुल गांधी की टिप्पणी को लेकर रविवार को उन पर निशाना साधते हुए कहा था कि दुनिया की कोई भी ताकत भारत की लोकतांत्रिक परंपराओं को नुकसान नहीं पहुंचा सकती। राहुल गांधी का नाम लिये बिना लंदन में की गई 'भारतीय लोकतंत्र के खतरे में होने' संबंधी कांग्रेस नेता की टिप्पणी का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत के लोकतंत्र की जड़ें हमारे सदियों के इतिहास से पोषित हैं। भारत की लोकतांत्रिक परंपराओं को इस दुनिया की कोई ताकत नुकसान नहीं पहुंचा सकती। इसके बावजूद कुछ लोग इसे लगातार कठघरे में खड़ा कर रहे हैं।" इसके अलावा, राहुल गांधी की मुश्किल बढ़ाने वाली एक और खबर की बात करें तो आपको बता दें कि भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने राहुल गांधी के खिलाफ विशेषाधिकार हनन नोटिस को लेकर एक संसदीय समिति के समक्ष अपना बयान दर्ज कराया है और उनकी लोकसभा की सदस्यता समाप्त करने की मांग की है। दरअसल बजट सत्र के पहले भाग में राहुल गांधी के भाषण के बाद निशिकांत दुबे ने सात फरवरी को उनके खिलाफ विशेषाधिकार नोटिस दिया था। राहुल गांधी ने अपने भाषण के दौरान हिंडनबर्ग–अडाणी मुद्दे पर टिप्पणी की थी। लोकसभा की विशेषाधिकार समिति के समक्ष अपना पक्ष रखते हुए निशिकांत दुबे ने कहा कि लोकसभा अध्यक्ष द्वारा गांधी की टिप्पणी को सदन की कार्यवाही से हटाए जाने के बावजूद वे अब भी उनके और कांग्रेस के आधिकारिक यू–ट्यूब चौनलों पर उपलब्ध हैं। हम आपको बता दें कि भाजपा सांसद सुनील सिंह इस समिति के अध्यक्ष हैं। निशिकांत दुबे के हवाले से एक सूत्र ने कहा, "न केवल एक बल्कि तीन प्रकार के विशेषाधिकार उन पर लागू होते हैं और वह आदतन 'अपराधी' हैं और इसलिए उनकी सदस्यता समाप्त कर दी जानी चाहिए।" निशिकांत दुबे ने अपनी बात की पुष्टि के लिए दस्तावेज और रिपोर्ट भी पेश किए और इनके जरिए दावा किया कि गांधी द्वारा लगाए गए सभी आरोप निराधार हैं।

ईडी और सीबीआई का दुरुपयोग करने वाली बीजेपी सरकार को जाना पड़ेगा : अजय शुक्ला

लखनऊ। जिस तरह से केंद्र की बीजेपी सरकार मौजूदा समय में ईडी और सीबीआई को मोहरा बनाकर विपक्ष के नेताओं को दबाने की कोशिश कर रही है। उसका खामियाजा २०२४ के लोकसभा चुनाव में बीजेपी को भुगतना पड़ेगा। यह कहना है उद्यमी एवं बरेली

कांग्रेस कमेटी के महानगर अध्यक्ष अजय शुक्ला का। वह सोमवार को कांग्रेस की उत्तर प्रदेश इकाई के अध्यक्ष बृजलाल खाबरी के नेतृत्व में शुरू हुए प्रदर्शन में हिस्सा लेने पहुंचे थे। प्रदर्शन के दौरान बरेली कांग्रेस कमेटी के महानगर अध्यक्ष अजय शुक्ला ने कहा कि बीजेपी सरकार जिस तरह से आम जनता को दबाना चाह रही है, उससे आम जनता भी त्रस्त है, बीजेपी सरकार की नीतियां जनता को पसंद नहीं आ रही है। यही कारण है कि जनता ने साल २०२४ में होने वाले लोकसभा चुनाव में बीजेपी को सत्ता से हटाने का मन बना लिया है। उन्होंने कहा कि साल २०२४ के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को बड़ी जीत हासिल होगी। वहीं राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस की सरकार बनेगी। दरअसल,राजधानी में कांग्रेस ने सोमवार को बड़ा प्रदर्शन किया। कांग्रेस के प्रदेश कार्यालय से राजभवन घेरने जा रहे कांग्रेस नेताओं की पुलिस से जोरदार झड़प हुई। कांग्रेसियों को रोकने के लिए मौके पर भारी पुलिस फोर्स मौजूद रही। कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन के रास्ते पर लगाए गए बैरिकेडिंग को तोड़ दिया। जिसके बाद पुलिस से कार्यकर्ताओं की तीखी झड़प और धक्का–मुक्की हुई है। कांग्रेस कार्यकर्ता केंद्र और राज्य सरकार के विरोध में नारे लगाते हुए कांग्रेस कार्यालय पर जमा हुए थे। जहां से उन्होंने पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार राजभवन घेराव को कूच किया था। लेकिन कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष बृजलाल खाबरी को जैसे ही पुलिस ने हिरासत में लिया। उसके बाद ही प्रदर्शन कर रहे कांग्रेस के तमाम नेताओं और कार्यकर्ताओं ने भी अपनी गिरफ्तारी आगे बढ़कर देनी शुरू कर दी। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को बसों में बैठाकर ईको गार्डन भेज दिया। बताते चलें कि कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष बृजलाल खाबरी ने योगी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा था कि यूपी सरकार जनता से जुड़े सभी मुद्दों पर उदासीन रवैया अपनाये हुए। आम जनता महंगाई की मार से बेहाल है, प्रदेश का युवा बेरोजगारी के चलते दर–दर भटकने को मजबूर, प्रदेश किसान फसल की कीमत न मिलने से आत्महत्या को मजबूर है। उत्तर प्रदेश कांग्रेस जनता से जुड़े सभी मुद्दों पर सड़क से लेकर सदन तक संघर्ष करने को तैयार है। १३ मार्च को राजभवन का घेराव कर सरकार को चेताने का काम किया जाएगा। इसी के चलते सोमवार को महंगाई और बेरोजगारी के मुद्दे पर राजभवन घेरने के लिए आगे बढ़ रहे कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पुलिस ने माल एवेन्यू से राजभवन जाने वाले रास्ते पर जैसे ही रोका। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जमकर प्रदर्शन शुरू कर दिया। वहीं इस प्रदर्शन में कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव तौकीर आलम, प्रांतीय अध्यक्ष योगेश दीक्षित, प्रांतीय अध्यक्ष नसीमुद्दीन सिद्दीकी, उद्यमी एवं बरेली कांग्रेस कमेटी के महानगर अध्यक्ष अजय शुक्ला, प्रदेश प्रवक्ता के.बी. त्रिपाठी, पीसीसी सदस्य पारस शुक्ला, पीसीसी सदस्य एवं बरेली महानगर प्रवक्ता योगेश जौहरी, जनरल सेक्रेट्री डॉ. सर्वत हुसैन हाशमी ,फिरोज खान आदि उपस्थित रहे।

मंडलायुक्त ने एलडीए के कार्यों की समीक्षा कर जानी प्रगति

लखनऊ। लखनऊ विकास प्राधिकरण के फ्लैटों की ऑनलाइन बुकिंग से खरीदारों का रुझान बढ़ा है। साथ ही संपत्तियों की बिक्री से आय दोगुनी हुई है। यह जानकारी मंडलायुक्तध्अध्यक्ष डॉ. रोशन जैकब को विकास कार्यों की समीक्षा में दी गई। जिस पर उन्होंने ऑनलाइन प्रक्रिया को बढ़ावा देने के लिए व्यापक प्रचार–प्रसार कराने के निर्देश दिए हैं। सोमवार को लखनऊ विकास प्राधिकरण में मंडलायुक्त ने विकास कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान फ्लैटों की अनलाइन बुकिंग की प्रगति जानी। इस पर उपाध्यक्ष डॉ. इंद्रमणि त्रिपाठी ने बताया कि ऑनलाइन व्यवस्था से प्राधिकरण के फ्लैटों की बिक्री आसान हो गई। ४४७ फ्लैट बिके हैं, जिसके सापेक्ष लगभग २०० करोड़ रुपये की आय हुई है, जबकि पुरानी व्यवस्था की तुलना में यह बिक्रीदर लगभग दोगुनी है। इसके अलावा शारदा नगर विस्तार योजना में निर्मित प्रधानमंत्री आवास योजना के आवंटियों को प्रोत्साहित करते हुए भवनों की रजिस्ट्री कराने के लिए कहा। बैठक में सचिव पवन कुमार गंगवार, अपर सचिव ज्ञानेन्द्र वर्मा, मुख्य अभियंता अवधेश तिवारी

आदि रहे। परियोजनाओं की समीक्षा में उपाध्यक्ष ने बताया कि गऊघाट पर २८.८० करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले ब्रिज का कार्य शुरू हो गया है। पाइलिंग का कार्य तेज गति से चल रहा है। इसी तरह बसंतकुंज योजना में २४०० प्रधानमंत्री योजना के आवासों का कार्य ६५ प्रतिशत पूर्ण हो चुका है। जबकि ४५१२ आवासों का कार्य प्रगति पर है। इसके अतिरिक्त हेरिटेज जोन में फूड कोर्ट व म्यूजियम का कार्य भी तेजी से चल रहा है, जो तीन माह में पूर्ण कर लिया जाएगा। मंडलायुक्त ने कहा कि आवासीय योजना में स्थित पार्कों का सुंदरीकरण कराएं और लोहिया पार्क की साफ–सफाई पर विशेष जोर दें। झीलों की सफाई व सुंदरीकरण में तेजी लाएं। सचिव पवन कुमार गंगवार ने बताया कि बसंतकुंज, हरदोई रोड योजना के सेक्टर–ए में भूखंडों के आवंटन की लॉटरी मंगलवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान के ज्यूपिटर हाल में कराई जाएगी। वहीं, एलडीए की विभिन्न योजनाओं की दुकान व अन्य संपत्तियों के ई–ऑक्शन की तारीख बढ़ा दी है। जो १७ मार्च के बजाय अब ३१ मार्च को प्रक्रिया कराई जाएगी। क्रेता पोर्टल पर पंजीकरण व १० प्रतिशत धनराशि व प्रपत्र २७ मार्च तक जमा कर सकते हैं।

उमेश पाल हत्याकांड मामले में अतीक की पत्नी पर कसेगा शिकंजा

लखनऊ। उमेश पाल हत्याकांड मामले में माफिया अतीक अहमद के पूरे परिवार पर शिकंजा कसा जा रहा है। पुलिस की टीम ने अतीक अहमद की पत्नी शाइस्ता परवीन पर भी २५ हजार का इनाम घोषित किया था जिसे अब बढ़ाने की तैयारी हो गई है। इसी बीच एसटीएफ और क्राइम ब्रांच की टीम को एक और सफलता मिली है। दोनों टीमों ने मिलकर अतीक अहमद के दाहिने हाथ सुधांशु त्रिपाठी उर्फ बली पंडित को हिरासत में ले लिया है। इसका कुछ दिनों पहले अतीक अहमद की पत्नी शाइस्ता के साथ वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें शाइस्ता परवीन ढाई लाख के इनामी शूटर के साथ दिखी थी। इस वीडियो के सामने आने के बाद व शूटर के पकड़े जाने के बाद अतीक अहमद और उसकी पत्नी की मुश्किलें भी बढ़ गई है। इस मामले में अब माफिया अतीक अहमद की पत्नी शाइस्ता परवीन पर २५ हजार रूपये का इनाम था जिसे बढ़ाने की तैयारी हो गई है। पुलिस ने अतीक के बेटे असद पर भी ढ़ाई लाख के इनाम की घोषणा की है। मगर दोनों ही मां और बेटा फरार

चल रहे हैं, जिनकी तलाशी में पुलिस की टीमें जुटी हुई है और लगाकार छापेमारी कर रही है। जानकारी के मुताबिक शाइस्ता की हाल ही में लोकेशन दिल्ली मिली थी, जिसके बाद यहां टीमों ने छापेमारी तेज कर दी है। बता दें कि इस मामले में पहले पुलिस चकिया ने छापेमारी की थी, जिसके बाद शाइस्ता की तलाशी में वहां भी छापेमारी हुई थी। इस मामले में पुलिस शाइस्ता के दो नाबालिग बेटों को पकड़ा गया है। ये पहला मौका है जब शाइस्ता पर भी इनाम घोषित किया गया है। पुलिस के पास वर्तमान में शाइस्ता के खिलाफ कुल चार मामले भी दर्ज है। हालांकि अब तक किसी भी मामले में पुलिस ने शाइस्ता को गिरफ्तार नहीं किया है। उमेश पाल और उसके दो सुरक्षाकर्मियों की २४ फरवरी को गोली मारकर हत्या किए जाने के बाद उमेश की पत्नी की तहरीर पर धूमनगंज थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। प्राथमिकी में माफिया अतीक अहमद, उसके भाई अशरफ और पत्नी शाइस्ता परवीन एवं अन्य के खिलाफ हत्या और साजिश रचने का आरोप लगाया गया है। इससे पूर्व अतीक अहमद के बेटे असद समेत पांच शूटरों पर ढाई-ढाई लाख रुपए का इनाम घोषित किया गया है।

शिया मुसलमानों को भी मिले संसद में आरक्षण : मौलाना कल्बे जवाद

लखनऊ। राजधानी में आयोजित शिया मुसलमानों के एक सम्मेलन का आयोजन इमामबाड़ा परिसर में किया गया। इसकी अगुवाई शिया धर्मगुरु मौलाना कल्बे जवाद ने की। समुदाय के लोगों को सम्बोधित करते हुए उन्होंने कहा कि हमारी कम्युनिटी राजधानी के तकरीबन तीन सीटों पर विधानसभा चुनावों में जीत-हार को तय करती है। इसके आलावा दुनिया भर में हमारे समुदाय के लोग बड़ी तादात में हैं। ऐसे में हमे भी संसद में आरक्षण के आधार पर भागीदारी मिलनी चाहिए। सम्मेलन में मौजूद देश-विदेश से आये शिया मुसलमानों की समस्याओं पर भी चर्चा की गई। इसके साथ ही शिया

धर्मगुरु ने अपने समुदाय के युवाओं के लिए नौकरी, संसद और विधानसभा में आरक्षण के आधार पर अपने प्रतिनिधि बनाने और शिया समुदाय के लिए विशेष पैकेज की मांग भी की। शिया धर्मगुरु कल्बे जवाद ने कहा कि मौजूदा समय में सरकार पसमांदा मुसलमानों के लिए कई काम कर रही है। जबकि हमारे शिया समुदाय की तादात उनमें भी कहीं ज्यादा है। उन्होंने कहा कि सरकार को इस तरफ ध्यान देने की जरुरत है, उन्होंने सरकार से वक्फ की सम्पत्तियों पर हुए अवैध कब्जे हटाने की अपनी पुरानी मांग को भी दोहराया। साथ ही शिया समुदाय से खुद को राजनीतिक तौर पर सशक्त बनाने की अपील की।

माफिया अतीक गैंग के ३४ गुर्गे भी रडार पर

लखनऊ। प्रयागराज के चर्चित उमेश पाल हत्याकांड में एसटीएफ और शूटर्स के बीच तू डाल-डाल, मैं पात-पात का खेल चल रहा है। स्थिति यह है कि खुफिया सूचना के आधार पर जब एसटीएफ टीम किसी शूटर के ठिकाने पर दबोचने को पहुंचती है तो उसके पहले ही वह फरार हो चुके होते हैं। वजह कुछ और भी हो सकती है, लेकिन एसटीएफ के मुताबिक इस सनसनीखेज वारदात के तकरीबन एक पखवारा गुजरने के बाद भी इनामी शूटर्स पकड़ से बाहर हैं। इसमें माफिया अतीक का बेटा असद, गुड्डू मुस्लिम, गुलाम, साबिर और अरमान शामिल हैं। सभी पर पुलिस ने ढाई-ढाई लाख रुपए का इनाम रखा है। एसटीएफ सूत्रों के मुताबिक इन शूटरों का लोकेशन अलग-अलग मिल रहा है, लेकिन टीम के पहुंचने के ही वह ठिकाना बदल चुके होते हैं। शुरूआत में लोकेशन बिहार, पूर्वांचल और पश्चिमी उप्र. में मिली। फिर नेपाल व मध्य प्रदेश, उसके बाद आसाम व कोलकाता में मिली। एसटीएफ टीम पहुंची भी, लेकिन खाली हाथ लौटना पड़ा। अब माफिया अतीक के बेटे असद के गुजरात और मुम्बई में शरण लेने की खबर है। इसी तरह अन्य शूटरों में कुछ का अभी भी पश्चिमी उप्र में लोकेशन मिल रहा है। इन असफलताओं के बीच एसटीएफ की सक्रियता लगातार तेज होती जा रही है। इस दौरान, माफिया अतीक गैंग की कमर तोड़ने के लिए उसके ३४ गुर्गो की सूची तैयार कर उन्हें रडार पर लिया गया है। इलेक्ट्रानिक सर्विलांस की मदद से जल्द ही इन फरार शूटरों के गिरेबां तक एसटीएफ के हाथ पहुंचने की बात कही जा रही है। इस दिशा में अतीक गैंग से परोक्ष-अपरोक्ष रुप से जुड़े बदमाशों, उनके नाते-रिश्तेदारों से लगातार पूछताछ भी की जा रही है। प्रयागराज शहर के निवासियों के लिए २४ फरवरी की शाम भयावह थी, सनसनीखेज भी। उस दिन असलहों व बमों से लैस हमलावरों ने सरेराह हमला कर उमेश पाल और उनके दो सरकारी गनर की हत्या कर दी थी। यह घटना प्रदेश की कानून-व्यवस्था के लिए बड़ी चुनौती रही। यह वारदात माफिया अतीक गैंग की कारस्तानी मानी गई। उमेश पाल की पत्नी में इस मामले में अतीक, उसके भाई, पत्नी, बेटों समेत नौ के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। मुख्यमंत्री ने इस घटना को काफी गंभीरता से लिया और भरे सदन में माफिया को मिट्टी में मिलाने का एलान कर दिया। उसके बाद तो प्रयागराज की पुलिस के अलावा एसटीएफ की पूरी टीम जुट गई है। अभी तक पुलिस दो आरोपियों अरबाज और विजय चौध री उर्फ उस्मान को अलग-अलग एनकाउंटर में ठिकाने लगा चुकी है। तीन घरों पर बुलडोजर भी चल चुका है।

पुलिस से भिड़े कांग्रेस कार्यकर्ता, राजभवन के रास्ते में तोड़ी बैरिकेडिंग, कई गिरफ्तार

लखनऊ। राजधानी में कांग्रेस आज बड़ा प्रदर्शन कर रही है। कांग्रेस के प्रदेश कार्यालय से राजभवन घेरने जा रहे कांग्रेस नेताओं की पुलिस से जोरदार झड़प हुई है। कोंग्रेसियों को रोकने के लिए मौके पर भारी फोर्स मौजूद है। कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन के रास्ते पर लगाए गए बैरिकेडिंग को तोड़ दिया। जिसके बाद पुलिस से कार्यकर्ताओं की तीखी झड़प और धक्का-मुक्की हुई है। कांग्रेस कार्यकर्ता केंद्र और राज्य सरकार विरोधी नारे लगाते हुए कांग्रेस कार्यालय पर जमा हुए थे जहां से उन्होंने पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार राजभवन घेराव को कूच किया था। बताते चलें कि कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष बृजलाल खाबरी ने योगी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा था कि यूपी सरकार जनता से जुड़े सभी मुद्दों पर उदासीन रवैया अपनाये हुए। आम जनता महंगाई की मार से बेहाल है, प्रदेश का युवा बेरोजगारी के चलते दर-दर भटकने को मजबूर, प्रदेश किसान फसल की कीमत न मिलने से आत्महत्या को मजबूर है। उत्तर प्रदेश कांग्रेस जनता से जुड़े सभी मुद्दों पर सड़क से लेकर सदन तक संघर्ष करने को तैयार है। १३ मार्च को राजभवन का घेराव कर सरकार को चेताने का काम किया जाएगा। इस वक्त भी हजारों कार्यकर्ता राजभवन के रास्ते पर मौजूद हैं। जबकि झड़प के बाद कई कार्यकर्ताओं को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। महंगाई और बेरोजगारी के मुद्दे पर राजभवन घेरने के लिए आगे बढ़ रहे कांग्रेस

कार्यकर्ताओं को पुलिस ने माल एवेन्यू से राजभवन जाने वाले रास्ते पर ही रोक दिया है पुलिस और कांग्रेस कार्यकर्ताओं में जमकर धक्का-मुक्की हो रही है कांग्रेस कार्यकर्ताओं का जोश देखते ही बन रहा है वह लगातार पुलिस की लगाई हुई एक बैरिकेडिंग को पार कर चुके हैं साथ ही पुलिस के साथ धक्का-मुक्की कर आगे बढ़ रहे हैं। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ता योगी मोदी सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी कर रहे हैं। कार्यकर्ताओं ने कहा जब जब योगी डरता है पुलिस को आगे करता है। इसके आलावा उन्होंने अडानी तथा मोदी के खिलाफ भी जमकर नारेबाजी की है।

शहीद पथ पर ई रिक्शा, ऑटो-टेंपो का संचालन बंद

लखनऊ। लखनऊ शहीद पथ,अवध विहार योजना,सुशांत गोल्फ सिटी,वृन्दावन योजना, नीलमथा के लोगों को अब बेहतर आवागमन की सुविधा मिलेगी। मंडलायुक्त डा रोशन जैकब के निर्देश पर सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विसेज निगम ने चिनहट कमता बस अड्डे से शहीद पथ, इंडस्ट्रियल एरिया, स्कूटर इंडिया रूट पर ४४ सिटी बसों का संचालन शुरु कर दिया है। यह बसें रोजाना ३६० चक्कर लगाएगी। यात्रियों को बसों की सुविधा सुबह ६ बजे से रात ६ बजे तक मिलेगी। सिटी ट्रांसपोर्ट के एमडी आरके त्रिपाठी ने बताया कि शहीद पथ पर ई रिक्शा, अटो-टेंपो बंद होने से सिटी बसों की संख्या बढ़ाई गयी है जिससे यात्रियों को ट्रांसपोर्ट की बेहतर सुविधा मिल सके। मंडलायुक्त के मुताबिक शहीद पथ आटो, टेम्पो,ई रिक्शा से आये दिन जाम लगने के साथ लगातार दुर्घनायें होती है जिसको देखते हुये इस रुट पर आटो टेम्पो का संचालन बंद कर अधिक से अधिक सिटी बसें चलाने का निर्णय लिया गया है।

मनरेगा योजना अंतर्गत सक्रिय जॉबकार्ड धारकों की आधार फीडिंग में लापरवाही करने पर १६ सचिवों को नोटिस जारी

लखनऊ। काकोरी ब्लॉक में मनरेगा योजना अंतर्गत सक्रिय जॉबकार्ड धारकों की आधार फीडिंग में लापरवाही सामने आई है। इस पर कार्यक्रम अधिकारी ने १६ सचिवों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। जिसका जवाब न देने पर कार्रवाई की चेतावनी दी है। जिले में सक्रिय जबकार्ड श्रमिकों का आधार फीडिंग ३१ दिसंबर २०२२ तक करने के निर्देश जारी हुए थे। यह कार्य ग्राम सचिवों को करना था। आधार फीडिंग की समीक्षा की गई तो काकोरी ब्लॉक की प्रगति खराब मिली। इस लापरवाही पर कार्यक्रम अधिकारीध्खंड विकास अधिकारी ने १०० प्रतिशत फीडिंग न करने वाले १६ ग्राम सचिवों को नोटिस जारी किए गए हैं। जिसमें ग्राम सचिव ओमवीर सिंह, नागेंद्र प्रताप कुशवाहा, दीप कुमार, आशीष कुमार, शशिपाल, दीपिका पांडेय, सुनीता पाल, अमित सिंह, कायम सिंह, सुनील मौर्या, धर्मेंद्र प्रताप सिंह, ललित गौतम, विनय कुमार, राजेश सिंह, संजीव कुमार व संजीत कुमार से दो दिन में स्पष्टीकरण मांगा है। साथ ही प्रगति सुधारने के निर्देश दिए हैं।

ऑस्कर जीतने पर 'आरआरआर' के अभिनेता जूनियर एनटीआर-राम चरण ने कहा-यह भारत की जीत

नई दिल्ली। निर्देशक एस. एस. राजामौली की तेलुगु फिल्म 'आरआरआर' के मुख्य कलाकार जूनियर एनटीआर और राम चरण ने फिल्म के गीत 'नाटु नाटु' के अस्कर जीतने पर कहा कि यह हर एक भारतीय की जीत है। तेलुगु गीत 'नाटु नाटु' ने ९५वें अकादमी पुरस्कार में सर्वश्रेष्ठ मूल (ओरिजनल) गीत की श्रेणी में ऑस्कर जीत कर इतिहास रच दिया है। गीत 'नाटु नाटु' के संगीतकार एम. एम. कीरावानी हैं और गीतकार चंद्रबोस ने इसके बोल लिखे हैं। इसे स्वर काल भैरव और राहुल सिप्लीगुंज ने दिया है। 'नाटु नाटु' का मतलब होता है 'नाचना'। गीत अभिनेता राम चरण और जूनियर एनटीआर पर फिल्माया गया है, जिसमें उनके जोरदार नृत्य को भी काफी सराहना मिली है। राम चरण ने सोशल मीडिया मंच ट्विटर पर लिखा, यह पुरस्कार हर एक भारतीय अभिनेता, तकनीकी टीम के सदस्य, फिल्म देखने वाले हर एक शख्स का है। मैं दुनियाभर में बसे अपने प्रशंसकों का इस प्रेम व समर्थन के लिए शुक्रिया अदा करता हूं। यह हमारे देश की जीत है। चरण ने एक बयान में कहा कि 'आरआरआर' उनके जीवन और भारतीय सिनेमा की हमेशा एक 'बेहद खास फिल्म' रहेगी। उन्होंने राजामौली, कीरावानी और सह-कलाकार जूनियर एनटीआर और आलिया भट्ट का भी आभार व्यक्त किया। वहीं जूनियर एनटीआर ने कहा कि यह वैश्विक मंच पर भारतीय सिनेमा की शानदार यात्रा की महज शुरुआत है। अभिनेता ने मीडिया को जारी किए गए एक बयान में कहा, मेरे पास अपनी खुशी जाहिर करने के

लिए शब्द नहीं है। यह केवल 'आरआरआर' की जीत नहीं, एक देश के तौर पर भारत की जीत है। मेरा मानना है कि यह महज शुरुआत है। यह दिखाता है कि भारतीय सिनेमा कहां तक पहुंच सकता है। इस श्रेणी में गीत 'नाटु नाटु' ने फिल्म 'टेल इट लाइक अ वुमन' के गीत 'अपलॉज', 'टॉप गनरू मावेरिक' के गीत 'होल्ड माई हैंड', 'ब्लैक पैंथररू वाकांडा फॉरएवर' के 'लिफ्ट मी अप' और 'एवरीथिंग एवरीवेयर ऑल एट वन्स' के 'दिस इज ए लाइफ' को मात दी। गीत की विदेशी धरती पर यह तीसरी जीत है, इससे पहले इसे गोल्डन ग्लोब और क्रिटिक्स च्वाइस अवार्ड में भी पुरस्कार मिल चुका है। जूनियर एनटीआर ने वृत्तचित्र 'द एलिफेंट व्हिस्परर्स' की पूरी टीम को भी ऑस्कर जीतने पर बधाई दी। कार्तिकी गोंजाल्विस द्वारा निर्देशित तमिल भाषा के वृत्तचित्र श्द एलिफेंट व्हिस्परर्सश ने 'डॉक्यूमेंट्री शॉर्ट सब्जेक्ट' श्रेणी में भारत के लिए पहला अस्कर जीता है। गीत 'नाटु नाटु' के कोरियोग्राफर प्रेम रक्षित ने लस एंजिलिस से कहा कि इस गीत का ऑस्कर जीतना 'भारत के लिए गर्व का पल है'। उन्होंने कहा, मैं बहुत-बहुत खुश हूं। मुझे अभी कुछ समझ नहीं आ रहा। मुझे नहीं पता कि मैं क्या कहूं। पहली बार हमें यह (ऑस्कर) मिला है, (भावनाएं) बयां करने को शब्द नहीं है। यह भारत के लिए बेहद गर्व का पल है। पुरस्कार जीतने के उत्साहपूर्ण क्षण के बारे में उन्होंने कहा, हम सभी एक साथ बैठे थे। घोषणा होते ही हम खुशी के मारे पागल हो गए और एक-दूसरे को गले लगाने लगे। गौरतलब है कि डैनी बॉयल द्वारा निर्देशित ब्रिटेन की फिल्म 'स्लमडॉग मिलियनेयर' का गीत 'जय हो' सर्वश्रेष्ठ मूल 'स्कोर' व मूल गीत श्रेणियों में अकादमी पुरस्कार जीतने वाला पहला हिंदी गीत है। इसके संगीतकार ए.आर. रहमान हैं और इसके बोल गुलजार ने लिखे हैं।

ओडिशा में दो महीनों में एच३एन२ इंफ्लूएंजा के ५९ मामले सामने आय

नई दिल्ली। ओडिशा में जनवरी और फरवरी में एकत्र किए गए २२५ नमूनों में से ५६ में इंफ्लूएंजा एच३एन२ का संक्रमण पाया गया है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। अमेरिका के रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र (सीडीसी) के अनुसार, एच३एन२ एक ऐसा इंफ्लूएंजा वायरस है जो आमतौर पर सूअरों से मनुष्यों में फैलता है। इसके लक्षण मौसमी फ्लू वायरस के समान होते हैं। इसमें बुखार और खांसी एवं बलगम समेत श्वसन संबंधी समस्या के लक्षण दिखाई देते है। इसके अलावा कुछ मरीजों को शरीर में दर्द, मतली, उल्टी या दस्त सहित अन्य समस्याएं भी होती हैं। क्षेत्रीय चिकित्सा अनुसंधान केंद्र, भुवनेश्वर की निदेशक संघमित्रा पति ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, "ओडिशा में जनवरी और फरवरी के महीने में एकत्र किए गए २२५ नमूनों में से कुल ५६ मामलों में एच३एन२ इन्फ्लूएंजा का संक्रमण पाया गया।" उन्होंने कहा कि इसके

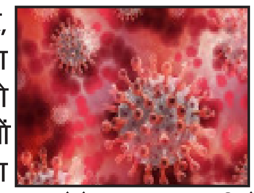

लक्षण मौसमी फ्लू वायरस के समान हैं और इसमें बुखार और खांसी शामिल हो सकते हैं। ओडिशा के जन स्वास्थ्य निदेशक निरंजन मिश्रा ने यहां संवाददाताओं से कहा, "वर्तमान में, वायरस के लिए "कोई निश्चित इलाज उपलब्ध नहीं है" और इसलिए, लोगों को एच३एन२ को दूर रखने के लिए "कोविड दिशानिर्देशों का सख्ती से पालन करना चाहिए।

मोटा मुनाफे का लालच देकर ठगो साढ़े चार लाख रुपये

लखनऊ। सुशांत गोल्फ सिटी थानाक्षेत्र अन्तर्गत महिला को ज्यादा मुनाफा दिलाने के नाम जालसाजों ने साढ़े चार लाख रुपये ठग लिए है। ठगी का शिकार होने पर पीड़िता ने संबंधित थाने में तहरीर देते हुए प्राथमिकी दर्ज करवाई। फिलहाल पुलिस ने मामले की जांच-पड़ताल में जुटी है। प्रभारी निरीक्षक शैलेन्द्र गिरी के मुताबिक, गोल्फ न्यू तुलसियानी आपार्टमेन्ट्स निवासिनी रितिका भाटिया के वाट्सएप नंबर पर एक मैसेज आया। जिसमें उसे ज्यादा मुनाफा कमाने का वादा किया गया था। जालसाज के बहकावे में आकर पीड़ित ने उनकी मांग के अनुसार रुपय निवेश करना शुरु कर दिया। परन्तु बदले मे कोई भी भुगतान वापस प्राप्त नहीं हुआ। इसके बाद पीड़ित ने जालसाजों से अपना रुपया वापस मांगा। तो आरोपी टालमटोल करने लगे। इसके अलावा आरोपी स्क्रीम के तहत पीड़िता से अतिरिक्त रकम जमा करने का दबाव बनाने लगे। पीड़िता ने बताया कि उसने कुल चार लाख छप्पन हजार एक सौ तीस रुपये उनके पास जमा किये थे। ठगी का संदेह होने पर पुलिस को सूचना दी। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि पीड़िता की तहरीर के आधार पर पुलिस ने धोखाधड़ी और आईटीएक्ट के तहत मामला दर्ज कर साइबर क्राइम सेल को जांच सौंपी है।

एलएलबी के छात्र ने साथी संग मिलकर कैब ड्राइवर को उतारा मौत के घाट

लखनऊ। कार्यालय संवाददाता, लखनऊ। गाजीपुर थानाक्षेत्र से संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हुए कैब ड्राइवर शिवशंकर का शव मिलने के बाद पुलिस ने सर्विलांस

टीम की मदद से दो हत्यारोपियों की गिरफ्तारी और इनकी निशानदेही पर लूटी गई कार बरामद की गई है। फिलहाल पुलिस ने शिवशंकर हत्याकांड का पर्दाफाश करते हुए हत्यारोपियों को जेल भेज दिया है। गौरतलब है कि गत सात मार्च को संजयगांधीपुरम निवासी कैब ड्राइवर शिवशंकर बुकिंग पर जाने की बात कह कर घर से निकला था, लेकिन उसके बाद वह वापस घर नहीं लौटा। जिसके बाद परिजनों को चिंता सताने लगी और वह लगातार ड्राइवर को कल मिलते रहे। लेकिन कल रिसीव नहीं की गई। ८ मार्च को शिवशंकर के भाई शुभम ने गाजीपुर थाने में गुमशुदगी दर्ज करवाई। डीसीपी नार्थ सै. कासिम आब्दी ने बताया कि पुलिस ने कैब ड्राइवर के मोबाइल को सर्विलांस पर लगाया और सीडीआर डिटेल्स खंगाली। जिसमें पुलिस को एक संदिग्ध नंबर मिला। उस नबंर के आधार पर पुलिस ने तकरोही निवासी सूरज राजपूत और मोनू चौहान को हिरासत में लिया। बताया कि सूरज राजपूत एलएलबी का छात्र है, जबकि मोनू चौहान पूड़ी का ठेला लगता है। पूछताछ के दौरान आरोपी पुलिस को गुमराह करते रहे। इस पर पुलिस का शक और भी गहराता चला गया। सख्ती से पूछताछ करने पर पता चला कि सूरज चौहान ने सात मार्च को तकरोही के लिए कैब की बुकिंग की थी। उस वक्त मोनू भी उसके साथ था। दोनों गाजीपुर से निकल कर तकरोही पहुंचे। इस दौरान आरोपियों ने लूट के इरादे से कैब ड्राइवर से मारपीट की। विरोध किए जाने पर कैब ड्राइवर की चाकू गोदकर हत्या कर दी। इसके बाद हत्यारोपियों ने किसानपथ के पास ड्राइवर के शव को झाड़ियों में ठिकाने लगा दिया। इसके अलावा ड्राइवर के मोबाइल को बंदकर अपने पास रख लिया और कैब को एक मकान में खड़ा कर दिया। शनिवार को पुलिस ने हत्यारोपियों की निशानदेही पर लूटी गई कैब और ड्राइवर के शव को भी बरादम किया है। जिसके बाद पुलिस ने शिवशंकर हत्याकांड का पर्दाफाश कर हत्यारोपियों को जेल भेज दिया है।

प्रसूता की मौत के मामले में दर्ज हुई एफआईआर के एक सप्ताह बाद भी कार्रवाई नहीं

लखनऊ। राजधानी के मोहनलालगंज के पौरूष अस्पताल में प्रसूता की मौत के मामले में दर्ज हुई एफआईआर के एक सप्ताह बाद भी कार्रवाई नहीं हो सकी है। यहां तक पुलिस की ओर से सीएमओ कार्यालय को भेजे गए पत्र का भी जवाब नहीं भेजा जा सका है। पुलिस का कहना है कि सीएमओ कार्यालय की ओर से की जा रही जांच रिपोर्ट के आधार पर ही आगे की कार्रवाई की जा सकेगी। हालांकि परिजनों का कहना है कि अब वह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से शिकायत कर कार्रवाई की मांग करेंगे। मालूम हो कि, मोहनलालगंज के मऊ गांव के अवनींद्र अपनी पत्नी सोनी (२२) को प्रसव पीड़ा होने पर एक मार्च को पौरूष अस्पताल ले गए थे। आरोप है हास्पिटल की संचालिका ड. सुधा सिंह ने जच्चा-बच्चा की हालत गंभीर बताकर सिजेरियन अपरेशन किया। इस दौरान प्रसूता की हालत गंभीर हो गई। आरोप है कि अस्पताल में प्रसूता की मौत के बाद उसे क्वीन मेरी रेफर कर दिया था। इस मामले के पति ने अस्पताल पर इलाज में लापरवाही करने का आरोप लगाते हुए पुलिस को मुकदमा दर्ज किए जाने की तहरीर दी थू। पुलिस सीएमओ कार्यालय से रिपोर्ट आने का हवाला देकर टालमटोल कर रही थी। घटना के बाद कार्रवाई के नाम पर सीएमओ अफिस और पुलिस की हीलाहवाली कर रही थी। इससे नाराज वकीलों ने पीड़ित परिवार के साथ चार मार्च को आयोजित तहसील समाधान दिवस में डीएम के सामने हंगामा किया था। जिसके बाद डीएम के निर्देश पर अस्पताल की संचालिका के विरुद्ध एफआईआर दर्ज हुई थी। मामले की जांच चल रही है तीमारदार व अस्पताल संचालिका को बयान के लिए बुलाया गया है। आरोप साबित होने पर कार्रवाई की जाएगी ...डॉ. मनोज अग्रवाल, सीएमओ।

पापा ने मेरा यौन शोषण किया : स्वाति मालीवाल

नई दिल्ली। दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल आमतौर पर चर्चा में बनी रहती है। इस बार डीसीडब्ल्यू अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पुरस्कार के विजेताओं को सम्मानित किए जाने के मौके पर आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने सनसनीखेज खुलासा किया है। उन्होंने दावा किया कि उनके पिता ने बचपन में उनका यौन शोषण किया है। उन्होंने आपबीती सुनाते हुए कहा कि जब मैं बच्ची थी तब मेरे पिता ने मेरा यौन शोषण किया है। वो मुझे मारते और पीटते थे। जब वो घर आते थे तो मैं डर कर बेड के नीचे छिप जाती थी। मैं पूरी रात ये प्लानिंग करती थी कि महिलाओं को उनका हक दिलाउंगी और जो लोग इस तरह की हरकतें करते हैं उन्हें सबक सिखाउंगी। उन्होंने आगे कहा कि मेरे पिता मुझे मारते थे, मेरा सिर दीवार से पीटते थे। खून भी बहता था। मगर जब कोई इंसान बहुत अत्याचार सहता है तो वो दूसरों के दर्द से वाकिफ हो पाता है। उसे अंदर ऐसी आग होती है जिससे उसमें पूरी व्यवस्था को बदलने की ताकत आ जाती है। ऐसा ही कुछ

मेरे साथ और हमारे अन्य अवर्डी के साथ हुआ है। उन्होंने कहा कि ये उस समय की बात है जब मैं काफी छोटी थी। कक्षा चार तक ही मैं अपने पिता के साथ रही हूं। तब तक कई बार पिटाई खाई है और अत्याचार सहा है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को डीसीडब्ल्यू अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पुरस्कार के विजेताओं को सम्मानित किया। दिल्ली महिला आयोग (डीसीडब्ल्यू) द्वारा शुरू किए गए पुरस्कार समारोह में करीब १०० महिलाओं को सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार उन महिलाओं को दिया जाता है जिन्होंने महिलाओं के प्रति असाधारण साहस और प्रतिबद्धता का प्रदर्शन किया है। समारोह को संबोधित करते हुए केजरीवाल ने कहा, ''साल में सभी ३६५ दिन महिलाओं के लिए हैं लेकिन यह महिलाओं की उपलब्धियों का जश्न मनाने के लिए एक खास दिन है। एक कहावत है रू उम्र महज एक संख्या है। आज इस कार्यक्रम में १०४ वर्षीय और १०६ वर्षीय महिलाओं को सम्मानित किया जा रहा है। हमें उनसे प्रेरणा लेनी चाहिए।'' उन्होंने कहा, ''आज डीसीडब्ल्यू अवार्ड्स प्रतिष्ठित पुरस्कार बन गए हैं। पुरस्कार जीतने वाली सभी महिलाओं को बधाई।

एफएटीएफ रिपोर्ट को लेकर केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कांग्रेस पर साधा निशाना

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (एफएटीएफ) की एक रिपोर्ट को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधा। रिपोर्ट में आरोप लगाया गया है कि एक भारतीय 'बैंकर' ने कांग्रेस के एक सदस्य के 'करीबी रिश्तेदार' से राष्ट्रीय पुरस्कारों के लिए रिश्वत के रूप में अधिक मूल्य देकर कलोंति खरीदी। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री ने एक बयान में कहा, "'कांग्रेस के भ्रष्टाचार का नया मडल' सामने आया है। अब एफएटीएफ ने एक मामले का शोध (केस स्टडी) पेश किया है, जिसमें दिखाया गया है कि कैसे संप्रग सरकार में एक पूर्व केंद्रीय मंत्री ने एक व्यक्ति पर प्रियंका गांधी वाड्रा की औसत पेंटिंग को दो करोड़ रुपये में खरीदने के लिए दबाव डाला।" वह एफएटीएफ की "कला और पुरावशेष बाजार में मनी लन्ड्रिंग

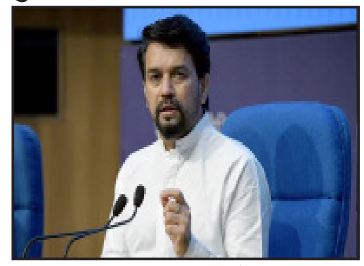

और आतंकवादी वित्तपोषण नामक रिपोर्ट का हवाला दे रहे थे, जिसमें एक अग्रणी भारतीय बैंकर के एक मामले को दिखाया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, बैंकर ने स्वार्थ के लिए आम कलोंति महंगे दाम में खरीदी थी। रिपोर्ट में हालांकि बैंकर या नेता का नाम नहीं दिया गया है।

अदानी वर्ल्ड स्कूल सहित १८ संस्थानों के साथ सैनिक स्कूल के लिए समझौता ज्ञापन : रक्षा मंत्रालय

नयी दिल्ली। सरकार ने सोमवार को बताया कि गैर सरकारी संगठनों (एनजीओ), निजी स्कूलों व राज्य सरकार के स्कूलों के साथ भागीदारी में १०० नए सैनिक स्कूल स्थापित करने को अनुमति प्रदान की गयी है। इनमें से १८ के साथ सैनिक स्कूल सोसायटी ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये गये हैं।

राज्यसभा में एक सवाल के लिखित जवाब में रक्षा राज्यमंत्री अजय भट्ट ने यह जानकारी दी है। उनके मुताबिक जिन १८ स्कूलों के साथ सैनिक स्कूल सोसायटी ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। उनमें आंध्र प्रदेश के नेल्लोर स्थित 'अदानी वर्ल्ड स्कूल' भी शामिल है। अन्य स्कूलों में बिहार के समस्तीपुर स्थित सुंदरी देवी सरस्वती विद्या मंदिर और पटना स्थित सरस्वती विद्या मंदिर भी शामिल हैं। गौरतलब है कि समस्तीपुर का सरस्वती विद्या मंदिर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के शैक्षणिक संगठन विद्या भारती एवं रामकृष्ण एजुकेशनल ट्रस्ट द्वारा संचालित निजी क्षेत्र का विद्यालय है। इसी प्रकार पटना स्थित सरस्वती विद्या मंदिर भी विद्या भारती द्वारा संचालित है। कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य दिग्विजय सिंह ने सवाल पूछा था कि क्या भारत सरकार द्वारा गैर सरकारी संगठनों व निजी स्कूलों को निजी सार्वजनिक भागीदारी (पीपीपी) मोड में देश में सैनिक स्कूल प्रारंभ किए जाने की मंजूरी दी गई है ? और यदि हां तो देश में ऐसे कितने सैनिक स्कूल खोले जाने हैं। इसके जवाब में भट्ट ने बताया, ''जी हां। सरकार ने देश में एनजीओ, निजी स्कूल, राज्य सरकार के स्कूलों के साथ भागीदारी मोड में १०० नए सैनिक स्कूल स्थापित करने के लिए एक पहल की है और अनुमोदन प्रदान किया है।'' उन्होंने कहा १८ नए सैनिक स्कूलों के साथ सैनिक स्कूल सोसाइटी ने इस योजना के तहत समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। रक्षा मंत्री की ओर से प्रदान की गई स्कूलों व संस्थानों की सूची में आंध्र प्रदेश के नेल्लोर स्थित अदानी वर्ल्ड स्कूल, अरुणाचल प्रदेश के तवांग स्थित तवांग पब्लिक स्कूल, बिहार के समस्तीपुर स्थित सुंदरी देवी सरस्वती विद्या मंदिर और पटना स्थित सरस्वती विद्या मंदिर, गुजरात के जूनागढ़ स्थित ब्रह्मानंद विद्या मंदिर और मेहसाणा स्थित मोती भाई आर चौधरी सागर सैनिक स्कूल, हरियाणा के फतेहाबाद स्थित रयल इंटरनेशनल रेजिडेंशियल स्कूल और रोहतक स्थित बाबा मस्तनाथ आयुर्वैदिक एवं संस्ंत शिक्षण संस्थान, हिमाचल प्रदेश के सोलन स्थित राजलक्ष्मी समविद गुरुकुलम, कर्नाटक के बेलगावी स्थित संगोल्ली रयन्ना सैनिक स्कूल (राज्य सरकार संचालित स्कूल) और मैसुरु स्थित विवेका स्कूल अफ एक्सीलेंस शामिल हैं। इनके अलावा इस सूची में केरल के कोझिकोड स्थित वेदव्यास विद्यालयम सीनियर सेकेंडरी स्कूल, मध्यप्रदेश के मंदसौर स्थित सरस्वती विद्या मंदिर हाई सेकेंडरी स्कूल, महाराष्ट्र के अहमदनगर स्थित पीडी ड विखे पाटील सैनिक स्कूल और सांगली स्थित एस के इंटरनेशनल स्कूल, पंजाब के पटियाला स्थित दयानंद पब्लिक स्कूल सिल्वर सिटी नाभा, तमिलनाडु के तूतीकोरिन स्थित द विकासा स्कूल और दादर एवं नगर हवेली के सिलवासा स्थित नेताजी सुभाष चंद्र बोस मिलिट्री एकेडमी शामिल हैं।

बरेली के एसएसपी की फेसबुक पर फेक आईडी बनाकर अधिवक्ता से ठगी

लखनऊ। बरेली के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) अखिलेश चौरसिया के नाम से फेक आईडी बनाकर अलीगंज निवासी अधिवक्ता से ४० हजार रुपये ठग लिए। पीड़ित की तहरीर पर धोखाधड़ी और आईटी एक्ट के तहत पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया। सेक्टर–सी अलीगंज निवासी हरीश चौरसिया लखनऊ उच्च न्यायालय में अधिवक्ता हैं। पुलिस को दी तहरीर में उन्होंने बताया कि बीती ६ मार्च को बरेली के एसएसपी अखिलेश चौरसिया की फेसबुक आईडी से मैसेंजर पर किसी ने उनसे बातचीत की। मैसेंजर पर बातचीत करने वाले ने कहा कि सीआरपीएफ के वरिष्ठ अधिकारी आशीष कुमार मेरे दोस्त हैं। उनका तबादला कानपुर से जम्मू कश्मीर हो गया। इसलिए वह घरेलू उपयोग का वस्तुएं बेचना चाहते हैं। हरीश के दिलचस्पी दिखाने पर कल करने वाले ने उनका मोबाइल नंबर ले लिया। कुछ घंटे बाद हरीश के मोबाइल पर एक अंजान नंबर से कल आई। फोनकर्ता ने अपनी पहचान सीआरपीएफ के अधिकारी आशीष कुमार के तौर पर की। जिसके बाद जालसाज ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अखिलेश चौरसिया को अपना जिगरी दोस्त बताते हुए रोजमर्रा का सामान बेचने की बात कही। पीड़ित का भरोसा जीतने के लिए जालसाज ने फ्री में सामान को देने की बात कही। इस पर पीड़ित ने हामी भर दी। तभी जालसाज ने टोकन मनी के नाम पर उनसे पांच हजार रुपये मांगे। जालसाज के बहकावे में आकार पीड़ित ने पांच हजार रुपये बताए गए नंबर पर ट्रांसफर कर दिए और अगले दिन पीड़ित के पते पर सामान भेजने की बात तय हो गई। पीड़ित ने बताया कि अगले दिन जालसाज ने गाड़ी की लोड करने और ट्रांसपोर्टेशन चार्ज के नाम पर कार्तिके रंजन कश्यप के गूगल पे नंबर पर कई मदों में करीब ३५ हजार रुपये ट्रांसफर कर लिए। कुल ४० हजार रुपये ठग लेने के बाद जालसाज पीड़ित से १५ हजार रुपये अतिरिक्त मांगने लगा तो उन्हें ठगी का एहसास हुआ। ठगे जाने के पाने पीड़ित ने बरेली वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अखिलेश चौरसिया से फोन पर संपर्क किया। इस पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने बताया कि फेसबुक पर उनके नाम से फर्जी आईडी तैयार कर उनकी फोटो का इस्तेमाल किया गया। फिलहाल यह आईडी बंद करवा दी गई है। इसके बाद वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अखिलेश चौरसिया के आधार पर अलीगंज पुलिस ने साइबर अपराधियों के खिलाफ धोखाधड़ी और आईटी एक्ट की धारा में प्राथमिकी दर्ज की है। प्रभारी निरीक्षक नागेश उपाध्याय ने बताया कि पुलिस मामले की जांच–पड़ताल कर रही है।

ओलावृष्टि और तेज हवाओं से फसलों को हो सकता है भारी नुकसान

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मौसम में बदलाव हो रहा है। मार्च महीने में पड़ रही तेज गर्मी मई महीने की याद दिला रही है। बताया जा रहा है कि मार्च के आखिर में तापमान और अधिक बढ़ेगा। हालांकि इसबीच मौसम विभाग ने बारिश की चेतावनी जारी की है। इस दौरान ओला गिरने की बात भी बताई जा रही है। मौसम विभाग की माने तो मार्च महीने में केवल उत्तर प्रदेश में ही नहीं बल्कि देश के अन्य हिस्सों में भी भारी बारिश के आसार हैं। १३ से २० मार्च के बीच होने वाली बारिश के दौरान तेज हवायें चलने तथा ओले गिरने की पूरी संभावना जताई गई है। इस बीच उत्तर प्रदेश के कई हिस्सों में मौसम खराब रहेगा। प्रदेश के कई हिस्सों में बारिश, आंधी, ओले और बिजली गिर सकती है। इसकी वजह से फसलों को काफी नुकसान हो सकता है। १३ से १८ मार्च तक प्रदेशभर में मौसम बेहद खराब रह सकता है। इन तारीखों के बीच होने वाली बारिश ओला गिरने से फसलों को नुकसान हो सकता है। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक पश्चिमी विक्षोभ के कारण उत्तर प्रदेश,दिल्ली, उत्तराखंड और पंजाब समेत कई अन्य प्रदेशों में भी बारिश हो सकती है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर के दक्षिणांचल के लोगों के लिए की एक बड़ी घोषणा

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर के दक्षिणांचल के लोगों के लिए एक बड़ी घोषणा करते हुए रविवार को कहा कि क्षेत्र को जल मार्ग की सुविधा दी जाएगी। उन्होंने कहा कि जलमर्ग विकसित होने पर यहां के किसान अपनी फसलों, सब्जियों को बंदरगाह के जरिये बाहर भेज सकेंगे। मुख्यमंत्री ने बांसगांव लोकसभा क्षेत्र के सांसद कमलेश पासवान की मेजबानी में आयोजित सांसद खेल स्पर्धा के समापन समारोह को संबोधित करते हुए कहा, ''दक्षिणांचल से सर्वाधिक पलायन होता था। अब इंडस्ट्रियल टाउनशिप के जरिये धुरियापार, गोला, सिकरीगंज, खजनी होते हुए इतने उद्योग लग जाएंगे कि लोगों को रोजगार के लिए कहीं बाहर नहीं जाना पड़ेगा।'' उन्होंने कहा कि क्षेत्र में उद्योग लगाने के वास्ते जमीन अधिग्रहण के लिए २०० करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है। वहीं, गोरखपुर के दक्षिणांचल के लोगों के लिए बड़ा ऐलान करते

हुए आदित्यनाथ ने कहा, ''दक्षिणांचल को जल मार्ग की सुविधा दी जाएगी। इससे यहां के किसान अपनी फसलों, सब्जियों को बंदरगाह के जरिये बाहर भेज सकेंगे। इसके लिए जरूरी कार्यवाही की जा रही है।'' उन्होंने सांसद खेल महाकुंभ का जिक्र करते हुए कहा कि इस खेल आयोजन से गांव–गांव खिलाड़ियों की नई पौध तैयार हो रही है। एक–एक संसदीय क्षेत्र में दो से ढाईहजार तक नए खिलाड़ी तैयार हुए हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश के ८० संसदीय क्षेत्रों में यह संख्या करीब दो लाख तक होगी। सांसद खेल महाकुंभ वैश्विक स्तर के खिलाड़ियों को तैयार करने का मंच बन रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के हर गांव में खेल मैदान, ब्लक स्तर पर मिनी स्टेडियम और जिला स्तर पर स्टेडियम बनाने का कार्य युद्ध स्तर पर किया जा रहा है। सांसद खेल महाकुंभ के समापन पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कुश्ती और वालीबल प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला देखा और खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।

ऊर्जा निगम के शीर्ष प्रबन्धन के नकारात्मक रवैये के चलते बिजलीकर्मी हड़ताल की ओर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति ने ऊर्जा निगम के शीर्ष प्रबन्धन के नकारात्मक रवैये के चलते बने टकराव को टालने के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से हस्तक्षेप करने की गुहार लगाई है। शनिवार को यूपी के राजधानी लखनऊ में संघर्ष समिति की तरफ से आयोजित प्रदेशव्यापी आम सभा में प्रस्ताव पारित किया गया। जिसमें मुख्यमंत्री से ऊर्जा निगम में कार्य का स्वस्थ वातावरण बनाये जाने के लिए प्रभावी हस्तक्षेप करने की अपील की गयी। संघर्ष समिति की तरफ से कहा गया कि ऊर्जा मंत्री अरविन्द कुमार शर्मा और मुख्यमंत्री के मुख्य सलाहकार अवनीश अवस्थी के साथ विगत ३ दिसम्बर को हुए लिखित समझौते का क्रियान्वयन न होने से बिजली कर्मियों में भारी रोष व्याप्त है। संघर्ष समिति ने आरोप लगाया है कि समझौते के क्रियान्वयन में सबसे बड़ी बाधा ऊर्जा निगम के चेयरमैन एम देवराज का रवैय्या है जो कि ऊर्जा मंत्री के साथ हुए समझौते को मानने से इंकार कर रहे हैं। ऊर्जा निगमों के चेयरमैन का रवैया इतना नकारात्मक है कि वे शक्तिभवन में उपस्थित रहते हुए भी अपर मुख्य सचिव(ऊर्जा) से संघर्ष समिति की वार्ता में उपस्थित नहीं रहते हैं। बताया जा रहा है कि ऊर्जा मंत्री के साथ हुए समझौते के प्रति सार्वजनिक रूप से अनादर किये जाने के कारण बिजली कर्मियों में रोष बढ़ता जा रहा है। संघर्ष समिति की आम सभा में यह चेतावनी दी गयी कि यदि १६ मार्च तक ऊर्जा मंत्री के साथ हुए समझौते का

क्रियान्वयन सुनिश्चित न किया गया तो १६ मार्च कि रात्रि १० बजे से यूपी के सभी ऊर्जा निगमों के तमाम बिजली कर्मचारी, जूनियर इंजीनियर, अभियन्ता एवं निविदा व संविदा कर्मी ७२ घण्टे की हड़ताल पर जाने के लिए बाध्य होंगे । जिससे उत्पन्न होने वाली किसी भी परिस्थिति का पूर्ण उत्तरदायित्व ऊर्जा निगमों के शीर्ष प्रबन्धन का होगा। हड़ताल पर जाने के पहले बिजली कर्मी १४ मार्च को प्रदेश के सभी जनपदों व बिजली परियोजनाओं पर शान्तिपूर्वक मशाल जुलूस निकालेंगे। १५ मार्च को सुबह १० बजे से हड़ताल शुरू करने से पूर्व तक अर्थात् १६ मार्च की रात्रि १० बजे बिजलीकर्मी कार्य बहिष्कार करेंगे। संघर्ष समिति के पदाधिकारियों ने चेतावनी दी है कि यदि लोकतांत्रिक ध्यानाकर्षण के कारण किसी भी बिजलीकर्मी का उत्पीड़न किया गया तो उसी समय प्रदेश भर में अनिश्चित कालीन हड़ताल प्रारम्भ हो जायेगी और साथ ही सामूहिक जेल भरो आन्दोलन शुरू कर दिया जायेगा। शनिवार को हुई सभा में संघर्ष समिति के पदाधिकारियों में राजीव कुमार सिंह, जितेन्द्र सिंह गुर्जर, जय प्रकाश, जी.वी. पटेल, मनीष कुमार मिश्र, गिरीश कुमार पाण्डेय, महेन्द्र राय, सुहैल आबिद, पी के दीक्षित, शशिकान्त श्रीवास्तव, मोहम्मद वसीम, छोटे लाल दीक्षित, आर वाई शुक्ला, योगेन्द्र कुमार, विशम्भर सिंह, राम सहारे वर्मा, शम्भू रतन दीक्षित, पी एस बाजपेयी, जी. पी. सिंह, रफीक अहमद, आरके सिंह, देवेन्द्र पाण्डेय शामिल हुये हैं।

दो मोटरसाइकिलों की टक्कर में एक युवक की मौत

बलरामपुर। जिले के देहात थाना क्षेत्र में तुलसीपुर–बलरामपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर दो मोटरसाइकिलों की टक्कर में एक युवक की मौत हो गई जबकि चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, बलरामपुर नगर के खलवा निवासी लियाकत अली अपने मित्र मोहम्मद हाशिम के साथ किसी रिश्तेदार के यहां जा रहे थे। तभी रास्ते में रमईडीह मोड़ के पास सामने से आ रही मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर उनकी बाइक से टकरा गई। दुर्घटना में लियाकत अली (३५) की मौत हो गई जबकि हाशिम और दूसरी बाइक पर सवार अजय निषाद, विकास वर्मा और दीपक वर्मा बुरी तरह घायल हो गए। उन्होंने बताया कि घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां एक युवक की नाजुक बनी हुई है। थाना प्रभारी निरीक्षक राज कुमार सरोज ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर आगे की विधिक कार्रवाई पूरी की जा रही है।

राहुल गांधी ने लंदन में किया भारत का अपमान, माफी मांगनी चाहिए : संसद में बोले राजनाथ सिंह

नई दिल्ली। विदेशों में भारत को लेकर दिए गए बयानों के बाद से राहुल गांधी पर भाजपा जबरदस्त तरीके से हमलावर है। भाजपा सड़क से लेकर संसद तक राहुल गांधी पर देश का अपमान करने का आरोप लगा रही है। इन सब के बीच रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी राहुल गांधी पर भारत का अपमान करने का आरोप लगाया और साफ तौर पर कहा कि उन्हें माफी मांगनी चाहिए। रक्षा मंत्री ने कहा कि राहुल गांधी ने लंदन में जाकर भारत को बदनाम करने की कोशिश की है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने भारत की गरिमा पर, भारत की प्रतिष्ठा पर गहरी चोट पहुंचाने की कोशिश की है। पूरे सदन के द्वारा उनके इस व्यवहार की निंदा की जानी चाहिए और संसद के फोरम पर उन्हें क्षमा याचना करनी चाहिए। आपको बता दें कि राहुल गांधी द्वारा भारतीय लोकतंत्र को लेकर लंदन में की गई टिप्पणी पर आज संसद में भारी हंगामा हुआ। भाजपा सांसद अपने स्थान से ही 'राहुल गांधी माफी मांगो' के नारे लगा रहे थे। राजनाथ ने कहा कि पूरे सदन को उनके (राहुल के) इस व्यवहार की निंदा करनी चाहिए और आपके (अध्यक्ष के) द्वारा यह निर्देश दिया जाना चाहिए कि संसद के फोरम पर वे क्षमा याचना करें। केंद्रीय कानून मंत्री किरण रिजिजू ने कहा कि कांग्रेस की बातों का जवाब देने में अच्छा नहीं लगता क्योंकि आलोचना के लिए भी तर्क होना चाहिए, जो उनकी बातों में नहीं होता। वे संसद नहीं चलने देते जिससे संसद में जरूरी मुद्दों पर चर्चा नहीं हो पाती। कांग्रेस की रुचि नहीं है सदन को चलने देने में। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन

खड़गे ने कहा कि वे खुद यहां लोकतंत्र को कुचल रहे हैं और हर एजेंसी का गलत उपयोग कर रहे हैं। वे देश को एक तानाशाही की तरह चला रहे हैं और फिर ये लोग लोकतंत्र और देशभक्ति की बात करते हैं। उन्होंने कहा कि जो सदस्य सदन (राज्य सभा) का हिस्सा नहीं उसके बारे में सवाल कैसे उठा सकते हैं? यह नियम के खिलाफ है।सदन के नेता को १० मिनट और विपक्ष के नेता को सिर्फ २ मिनट दिए गए, यही तो लोकतंत्र खत्म हो रहा है और यही बात उन्होंने(राहुल गांधी) सेमिनार में कही।

समलैंगिक विवाह को लेकर सुप्रीम कोर्ट में केंद्र सरकार ने जताया कड़ा विरोध

नई दिल्ली। समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता देने की मांग केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में विरोध किया है। समलैंगिक कानून को मान्यता देने की मांग को लेकर केंद्र सरकार ने कहा कि इस कानून को मान्यता नहीं मिलनी चाहिए। ये भारतीय सामाजिक मान्यताओं और पारिवारिक व्यवस्था में टकराव पैदा करेगा।

भारतीय पारिवारिक व्यवस्था के मूल रूप के ये खिलाफ है। इस याचिका का विरोध करते हुए केंद्र सरकार ने कहा कि इसमें कई तरह की कानूनी अड़चनों का सामना करना होगा। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने इस वर्ष समलैंगिक शादी को लेकर केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया था। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने अलग अलग याचिकाओं को भी ट्रांसफर कर लिया था। सुप्रीम कोर्ट में दाखिल कई याचिकाओं में समलैंगिक विवाह को स्पेशल मैरिज एक्ट के तहत रजिस्टर करने की मांग की गई है। बता दें कि इस मामले पर सुप्रीम कोर्ट में १३ मार्च को सुनवाई होनी है जिससे पहले केंद्र सरकार ने याचिकाओं को ट्रांसफर किया है। बता दें कि इस मामलें में अब चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस पी एस नरसिम्हा और जस्टिस जेबी पारडीवाला की बेंच सुनवाई करेगी। इस मामले में केंद्रीय कानून मंत्रालय ने कहा कि भारत में परिवार का अर्थ पति–पत्नी और उनकी संतान से है। समलैंगिक विवाह भारत की इस अवधारणा के विरुद्ध काम करता है। वहीं संसद में पारित विवाह कानून और विभिन्न धर्मों की परंपराएं भी इस शादी को मान्यता नहीं देती है। मंत्रालय के मुताबिक अगर इस तरह की शादी को मान्यता मिलती है तो भारत में मौजूद दहेज, घरेलू हिंसा कानून, तलाक, गुजारा भत्ता, दहेज हत्या जैसे तमाम कानूनी प्रावधानों को अमल में ला पाना कठिन होगा। इन सभी कानून के मूल में पति और पत्नी होती है। इससे पहले वर्ष २०१८ में सुप्रीम कोर्ट ने समलैंगिकता को अपराध मानने वाली आईपीसी की धारा ३७७ को रद्द कर दिया था। इस धारा के रद्द होने के बाद दो व्यस्कों के बीच आपसी सहमति से बने समलैंगिक संबंध अपराध की श्रेणी में नहीं आते है। अपराध ना माने जाने की स्थिति में मांग की गई थी कि साथ रहने वाले समलैंगिक कपल को कानून से मान्यता मिलने पर शादी की अनुमति भी मिलनी चाहिए। इस मामले पर केंद्र सरकार का तर्क है कि समलैंगिक व्यस्कों को शारीरिक संबंध बनाए जाने को अपराध न मानना और शादी की अनुमति देना दो अलग मुद्दे है। समलैंगिक कपल को शादी का अधिकार मौलिक अधिकार नहीं है।

सहायक शिक्षक भर्ती परीक्षा २०१६ मामले में हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच में राज्य सरकार को बड़ा झटका

लखनऊ। हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच में राज्य सरकार को बड़ा झटका लगा है। न्यायालय ने सहायक शिक्षक भर्ती परीक्षा २०१६ की १ जून २०२० को जारी चयन सूची पर पुनर्विचार के आदेश सरकार को दिए हैं। न्यायालय ने कहा है कि तीन माह में समीक्षा कर अभ्यर्थियों की मेरिट सूची तैयार की जाए। इसके साथ ही न्यायालय ने इसी भर्ती परीक्षा के क्रम में आरक्षित वर्ग के अतिरिक्त ६८०० अभ्यर्थियों की ५ जनवरी २०२२ की चयन सूची को खारिज कर दिया है। यह निर्णय न्यायमूर्ति ओम प्रकाश शुक्ला की एकल पीठ ने महेंद्र पाल व अन्य समेत १२४ याचिकाओं पर एक साथ सुनवाई करते हुए पारित किया है। इनमें से कुछ याचिकाओं में चयन सूची को इस आधार पर चुनौती दी गई थी कि आरक्षित श्रेणी के उन अभ्यर्थियों को भी आरक्षित श्रेणी में ही जगह दी गई है जिन्होंने अनारक्षित वर्ग के लिए तय कट अफ मार्क्स प्राप्त किए हैं, जबकि अनारक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों की ओर से दाखिल याचिकाओं में कहा गया था कि आरक्षित वर्ग के उन अभ्यर्थियों को गलत तरीके से अनारक्षित वर्ग में रखा गया जिन्होंने टीईटी व सहायक शिक्षक भर्ती परीक्षा में आरक्षण का लाभ ले लिया था। इन याचिकाओं में एक बार आरक्षण का लाभ लेने के बाद

अनारक्षित वर्ग में अभ्यर्थियों का चयन किए जाने को विधि विरुद्ध बताया गया था। वहीं दो याचिकाओं में आरक्षित वर्ग के ६८०० अभ्यर्थियों की ५ जनवरी २०२२ की चयन सूची को चुनौती दी गई थी। न्यायालय ने सभी याचिकाओं पर एक साथ सुनवाई के उपरांत पारित अपने निर्णय में कहा कि टीईटी में आरक्षण का लाभ लेने वाले अभ्यर्थियों को सामान्य श्रेणी का कट अफ मार्क्स पाने पर अनारक्षित वर्ग में रखा जाना सही है क्योंकि टीईटी एक अभ्यर्थी को सिर्फ सहायक शिक्षक भर्ती परीक्षा में भाग लेने के लिए उपयुक्त बनाता है। हालांकि न्यायालय ने आगे कहा कि सहायक शिक्षक भर्ती परीक्षा में जिन अभ्यर्थियों ने आरक्षण का लाभ लिया है, उन्हें अनारक्षित श्रेणी में नहीं रखा जा सकता। न्यायालय ने अपनी टिप्पणी को और स्पष्ट करते हुए कहा कि आरक्षित श्रेणी के जिन अभ्यर्थियों ने ६५ प्रतिशत या अधिक मार्क्स प्राप्त की हैं, उन्हें अनारक्षित श्रेणी में ही रखा जाएगा। न्यायालय ने ६८०० आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों से सम्बंधित चयन सूची को भी खारिज कर दिया है। उक्त चयन सूची को यह कहते हुए चुनौती दी गई थी कि इसे बिना किसी विज्ञापन के ही जारी कर दिया गया। न्यायालय ने अपने इस निर्णय में सरकार को यह भी आदेश दिया है कि वह मामले में हस्तक्षेप करते हुए, उन अभ्यर्थियों के समायोजन के लिए पलिसी बनाए जो वर्तमान सूची में हैं व दो वर्षों से काम कर रहे हैं लेकिन पुनरीक्षित सूची जारी होने पर बाहर हो सकते हैं।

विपक्ष के नेताओं को बदनाम करने का प्रयास कर रही है भाजपा : अखिलेश

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि खुद की सरकार में व्याप्त भ्रष्टाचार और नाकामी छिपाने के लिये भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) केन्द्रीय एजेंसियों को हथियार बना कर विपक्ष के नेताओं को बदनाम करने का प्रयास कर रही है। अखिलेश यादव ने सोमवार को जारी बयान में कहा कि भाजपा सरकार ने अपने घपले, घोटाले तथा भ्रष्टाचार और नाकामी छिपाने और विपक्षी दलों के नेताओं की छवि को खराब करने और बदनाम करने के लिए ईडी और सीबीआई को हथियार बना लिया है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में शहरों में कूड़े भरे पड़े हैं, सफाई नहीं है। इतने वर्ष सरकार चलाने के बाद भाजपा नगरों के सीवर सिस्टम को ठीक नहीं कर पायी, नालों में गन्दगी भरी पड़ी है। नदियां साफ नहीं हुई। गंगा में नाले गिर रहे है वह साफ नही हुए। हाउस टैक्स, वाटर टैक्स बढ़ा दिया गया है। सरकार आम जनता से बिजली बिल महंगा ले रही है। अखिलेश यादव ने कहा कि महंगाई, बेरोजगारी चरम पर है। भाजपा सरकार के पास कोई जवाब नहीं है। शहरों में सड़के खराब और टूटी हुई हैं। शहरों में हाउस टैक्स और वाटर टैक्स बढ़ा दिया गया है। भाजपा ने सपना स्मार्ट सिटी का दिखाया था लेकिन शहरों में सांड घूम रहें है। जनता नगर निगम चुनाव में भाजपा को महंगाई, बेरोजगारी और अव्यवस्था का जवाब देगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कानून व्यवस्था ध्वस्त है। भाजपा की सरकार में वाराणसी में

वीवीआईपी संसदीय क्षेत्र में २५००० अवैध निर्माण हो गए जिनमें अधिकांश भाजपा के प्रश्रय प्राप्त लोगों की संलिप्तता है। जनता देख रही है कि अपराध के प्रति भाजपा की झूठी टॉलरेंस है। छोटी छोटी मासूम बच्चियां तक सुरक्षित नहीं। अखिलेश यादव ने कहा कि लोकसभा चुनाव के लिए समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता भाजपा से भी ज्यादा मजबूत तैयारी करने में जुटे हैं। देश में संविधान को बचाने की लड़ाई सबको मिलकर लडनी होगी। उन्होंने जनता को एकजुट करने पर जोर दिया और कहा कि संविधान बचाने के लिए लोगो को ज्यादा से ज्यादा वोट डालने होगे।

हिस्ट्रीशीटर ने डीसीएम के ड्राइवर को मारी थी गोली

लखनऊ। राजधानी के पारा थानाक्षेत्र अन्तर्गत डीसीएम ड्राइवर को स्पीड कम न करने और क्षेत्र में अपना दबदबा बरकरार बनाए रखने के उद्देश्य से हिस्ट्रीशीटर ने गोली मारी थी। क्राइम ब्रांच और सर्विलांस टीम के सहयोग से पुलिस ने हिस्ट्रीशीटर को गिरफ्तार कर गोलीकांड का पर्दाफाश किया। गौरतलब है कि ७ मार्च की देर रात आलमबाग की तरफ से आगरा एक्सप्रेस–वे की पर जा रहे डीसीएम ड्राइवर संजीव सिंह को स्कूटी सवार अज्ञात बदमाशों ने गोली मार दी थी। एडीसीपी पश्चिमी चिरंजीव नाथ सिन्हा के मुताबिक, पुलिस कंट्रोल रूम पर गोलीकांड की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और डीसीएम ड्राइवर को फौरन ट्रामा सेंटर में भर्ती करवाया। शुक्रवार की देर रात क्राइम ब्रांच और सर्विलांस टीम की मदद से पुलिस ने वारदात को अंजाम देने वाले आरोपी श्रमजीत रावत उर्फ शेरू को गिरफ्तार किया। एडीसीपी ने बताया कि घटना के वाले दिन आरोपी आगरा एक्सप्रेस–वे से स्कूटी से जा रहा थी। इसी बीच डीसीएम ड्राइवर संजीव सिंह गोरखपुर जनपद से गाय लेकर लौट रहा था। डीसीएम चालक ने हर्न बजाते हुए स्कूटी को ओवर टेक किया। इस पर श्रमजीत रावत ने डीसीएम ड्राइवर को स्पीड कम करने को कहा लेकिन ड्राइवर ने स्पीड कम नहीं की। जिसके बाद आरोपी ने करीब एक किलोमीटर पीछा कर डीसीएम की स्पीड कम होने पर पकड़ लिया, जिसके बाद कहासुनी के दौरान डीसीएम चालक को गोली मारकर फरार हो गया। उन्होने बताया कि पारा चंद्रोदय नगर निवासी श्रमजीत के खिलाफ पारा थाने में दर्जन भर आपराधिक मामले दर्ज होने के साथ हिस्ट्रीशीट भी खुली है। फिलहाल पुलिस ने मामले का पर्दाफाश कर आरोपी को जेल भेज दिया है।

बिजलीकर्मी मशाल जुलूस निकालकर जतायेंगे विरोध

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति के बैनर तले कल यानी १४ मार्च को बिजलीकर्मी मशाल जुलूस निकालेंगे। संघर्ष समिति की तरफ से जारी बयान में कहा गया है कि ऊर्जा मंत्री के साथ हुए लिखित समझौते को लागू करने की मांग में कुछ भी राजनीतिक नहीं है। यह बिजलीकर्मियों की नैसर्गिक न्याय की मांग है। ऐसा प्रतीत होता है कि इस बाबत ऊर्जा निगम के शीर्ष प्रबन्धन ने अपनी अकर्मण्यता छिपाने के लिए ऊर्जा मंत्री को पूरी तरह से गुमराह किया। संघर्ष समिति ने आगे कहा कि हड़ताल करने के लिए बिजली कर्मियों को बाध्य किया जा रहा है। बीते ३ दिसम्बर २०२२ को हुए लिखित समझौते में स्पष्ट तौर पर लिखा है कि ऊर्जा मंत्री के अनुरोध पर संघर्ष समिति ने १५ दिन के लिए आन्दोलन स्थगित करने की सहमति प्रदान की थी। अब जबकि ११० दिन बीत चुके हैं। उसके बाद भी प्रबन्धन की हठधर्मिता के चलते समझौता लागू नहीं हो रहा है तो बिजलीकर्मियों के सामने लोकतांत्रिक ढंग से ध्यानाकर्षण करने के अलावा अन्य क्या विकल्प है।

राजधानी में नहीं थम रहा हत्याओं का सिलसिला

लखनऊ। राजधानी में अवैध संबंधों के चलते हत्याओं का सिलसिला थमने के नाम नहीं ले रहा। हाल ही में तीन अलग–अलग थाना क्षेत्रों में हुई हत्याएं का ताना–बाना भी अवैध संबंधों के इर्द–गिर्द ही बुना गया था। पुलिस ने तीनों ही घटनाओं का खुलासा करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार किया है। बीबीडी कोतवाली क्षेत्र में गैस एजेंसी कर्मी बृजेश वर्मा की हत्या उसकी पत्नी सुमन ने ही अपने प्रेमी और पति के दोस्त अनुज और उसके हिस्ट्रीशीटर दोस्त मनोज कुमार के साथ मिलकर करवाई थी। पुलिस ने तीनों को सोमवार को गिरफ्तार कर लिया है। विदित हो कि बाराबंकी के रामसनोही घाट निवासी बृजेश वर्मा गत ३ मार्च को लापता हो गया था। पत्नी सुमन ने गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। ७ मार्च को बीबीडी में गोमती नदी में बृजेश का शव बरामद होने के बाद शिनाख्त हुई तो ११ मार्च को हत्या की प्राथमिकी दर्ज हुई। एडीसीपी पूर्वी सैय्यद अली अब्बास ने बताया कि सुमन के मोबाइल का सीडीआर निकाला गया तो उसके एक अन्य नंबर की जानकारी हुई। जिससे सर्वाधिक रूप से अनुज से बात हुई थी। मैसेज डिटेलिंग से अवैध रिश्ते का खुलासा हुआ। अनुज को गिरफ्तार कर पूछताछ की गई तो उसने सुमन की संलिप्तता के साथ हत्या की बात स्वीकारी। एडीसीपी ने बताया कि सुमन ने अनुज को कहा था कि वह बृजेश से पीछा छुड़ाना चाहती है। अनुज ने अपने हिस्ट्रीशीटर दोस्त मनोज को हायर किया। ५० हजार रुपये की मांग की गई। सुमन ने १० हजार रुपये फिरौती थमाई और खुद ही बांका लाकर अनुज और मनोज को दिया। ३ मार्च की रात ही अनुज ने बृजेश को फोन करके बुलाया। इसके बाद गोमती के किनारे ले जाकर पहले जमकर शराब पिलाई। इसके बाद नशे की हालत में बांके से गला काटकर हत्या कर दी और शव को नदी में फेंक कर फरार हो गए।

कार और डंपर की टक्करय तीन महिलाओं समेत पांच लोगों की मौत

सुलतानपुर। दिल्ली से बिहार के सासाराम जा रही एक कार ने सुलतानपुर जिले के अखंडनगर थाना क्षेत्र में पूर्वांचल एक्सप्रेस–वे पर किनारे खड़े डंपर को पीछे से टक्कर मार दिया। पुलिस ने बताया कि रविवार को हुई इस दुर्घटना में कार सवार तीन महिलाओं समेत सभी पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना पाकर जिलाधिकारी जसजीत कौर व पुलिस अधीक्षक सोमेन बर्मा मौके पर पहुंचे। पुलिस के अनुसार, सासाराम निवासी सलीम अपने साढ़े तीन महिने के बेटे का इलाज करवाने एम्स, दिल्ली गया था, लेकिन उसकी हालत में सुधार नहीं होने पर सभी वापस लौट रहे थे। उन्होंने बताया कि वापसी के दौरान रास्ते में यह दुर्घटना हुई। उन्होंने बताया कि दुर्घटना में कार में सवार तीन महिलाओं सहित पांच लोगों और बच्चे की भी मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान साहिल खान (१६), शाहरुख ड्राइवर (२५), साइना खातून (३७), जमीला और सलीम की पत्नी रुखसार (३१) के रूप में हुई है। डीएम जसजीत कौर ने बताया कि दुर्घटना रविवार को करीब पौने बारह बजे हुई। उन्होंने बताया कि सभी शवों को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा कर परिजनों को सूचित किया गया है।

सरकारी विद्यालयों के बच्चों में दिखा राष्ट्रीय खिलाड़ी बनने का जज्बा

लखनऊ। बेसिक शिक्षा परिषद की ओर से संचालित राजधानी सहित प्रदेश भर के सरकारी विद्यालयों के बच्चों का जज्बा एक राष्ट्रीय खिलाड़ी बनने के लिए सोमवार को देखने को मिला। कुर्सी रोड स्थित गुरुगोविंद सिंह स्पोर्ट कलेज में बेसिक शिक्षा विभाग की ओर से ३३वीं राज्य स्तरीय बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता की शुरूआत हुई है। इस प्रतियोगिता में प्रदेश के १८ मंडलों से मंडलीय सहायक शिक्षा निदेशकों के सहयोग से सरकारी विद्यालायों में पढ़ने वाले सभी बाल खिलाड़ी शामिल होने के लिए राजधानी पहुंचे हैं। प्रतियोगिता की शुरूआत के पहले दिन बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार संदीप सिंह ने बच्चों का हौसला बढ़ाते हुए कार्यक्रम की शुरूआत की। वहीं राजधानी से मंडलीय सहायक शिक्षा निदेशक श्याम किशोर तिवारी, बीएसए अरूण कुमार सिंह,

बीईओ मुख्यालय राजेश सिंह ने कार्यक्रम की तैयारियों में अहम भूमिका निभाई। वहीं कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में संयुक्त शिक्षा निदेशक बेसिक गणेश कुमार ने बच्चों का उत्साह बढ़ाया। प्रतियोगिता के पहले दिन हरदोई जनपद के बच्चों व्यायाम प्रदर्शन किया। लखनऊ मण्डल के बच्चों द्वारा स्वागत गान एवं शिव तांडव स्तोत्र की मनमोहक प्रस्तुति की गई। वहीं लंबी कूद उच्च प्राथमिक बालक वर्ग में प्रयागराज मण्डल के रामबली विजेता जबकि सहारनपुर मण्डल के नदीम उपविजेता रहे। चक्र क्षेपण बालिका वर्ग में बरेली मण्डल की नेहा विजेता जबकि मुरादाबाद मण्डल की मनु उपविजेता रही । प्रतियोगिता में एडी बेसिक कानपुर, एडी बेसिक मेरठ, एडी बेसिक अयोध्या,जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, खंड शिक्षा अधिकारियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में लगभग ६००० बच्चे शामिल हुए। उत्तर प्रदेश के बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह ने कहा कि छात्र–छात्राओं के समुचित विकास में खेलों का विशेष महत्व होता है, क्रीड़ा प्रतियोगिताओं के माध्यम से जहां एक ओर विद्यार्थियों में स्वास्थ्य प्रतिस्पर्धा एवं अनुशासन की भावना का विकास होता है वहीं दूसरी ओर छात्र–छात्राओं में सहयोग एवं नेतृत्व के गुणों का विकास होता है यह क्रीडा प्रतियोगिता छात्र–छात्राओं अध्यापकगणों में एक नई स्फूर्ति एवं उत्साह का संचार करेगी। मंत्री ने कहा व्यायाम शिक्षक बच्चों को खेलकूद के लिए तमाम तरह की जानकारी उपलब्ध कराते हैं और उनको खेलने के बारे में विस्तृत जानकारियां प्रदान की जाती हैं।तीन दिन चलने वाली ये ३३वीं राज्य स्तरीय क्रीड़ा प्रतियोगिता है। प्रदेश के १८ मंडलों की विजेता टीमें इसमें प्रतिभाग कर रही हैं प्रतियोगिता में प्राथमिक शिक्षक संघ, जूनियर शिक्षक संघ राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के प्रदेशीय पदाधिकारी बच्चों का हौसला बढ़ाने के लिए भी शामिल हुए।

हमारे अन्य प्रतिनिधि

संजय बाजपेई
सीतापुर
मो.9935160370

प्रियंका त्रिपाठी
नई दिल्ली
विधिक सलाहकार

सुरेश नारायण मिश्र
क्षेत्रीय सम्पादक

सौरभ कुमार, बिहार
मो.09386075289

मो० अरशद
ब्यूरो चीफ
मऊ

घर–बाहर की जिम्मेदारियों के बीच खुद की अनदेखी करने लगती हैं महिलाएं

लखनऊ। ज्यादातर महिलाएं घर–बाहर की जिम्मेदारियों के बीच खुद की अनदेखी करने लगती हैं जो उनके स्वास्थ्य पर काफी असर डालता है। महिला चाहे गृहणी हो या कामकाजी बहुत जरूरी है कि वह अपने बारे में, अपनी सेहत के बारे में और अपनी खुशी के बारे में भी सोचे और उसे लेकर प्रयास करें, यदि वह स्वस्थ और खुश होगी तभी अन्य जिम्मेदारियों को भी अच्छी तरह से निभा पाएंगी। यह कहना है केजीएमयू के स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग की प्रोफेसर डॉ. अमिता पांडेय का। वह सीएसआईआर–केंद्रीय औषधीय एवं सगंध पौधा संस्थान (सीमैप) द्वारा सोमवार को संस्थान में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आयोजित कराए गए जागरूकता कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहीं थी। उन्होंने महिलाओं के स्वास्थ के मुद्दों, जैसे मासिक धर्म, बांझपन, पेल्विक संक्रमण, मानसिक स्वास्थ एवं महिलाओं में होने वाले कैंसर पर चर्चा की। उन्होंने यह भी कहा कि महिलाओं को अपने स्वास्थ पर अधिक ध्यान देने कि जरुरत है, उसके लिए उन्होंने कुछ सुझाव दिए जैसे खुद से प्यार करना, पुस्तकें पढ़ना, जीवन में एक परामर्शदाता होना, एवं समसामयिक होना। कार्यक्रम में बतौर विशिष्ट अतिथि मौजूद डॉ. ऋतु त्रिवेदी ने कहा कि महिलाओं को स्वयं को साबित करने और स्थापित करने में कई प्रकार कि रुकावटों का सामना करना पड़ता है। इसके समाधान में उन्होंने बताया कि महिलाओ को स्वयं की महत्वता पता होनी चाहिए। उन्हें विकल्प चुनने और रखने का अधिकार, अवसरों और संसाधनों तक पहुंच का अधिकार, घर के भीतर और बाहर दोनों जगह अपने स्वयं के जीवन को नियंत्रित करने की शक्ति रखने का अधिकार, तथा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अधिक न्यायसंगत सामाजिक और आर्थिक व्यवस्था बनाने के लिए सामाजिक परिवर्तन की दिशा को प्रभावित करने की क्षमता आदि होनी चाहिए। इस मौके पर सीमैप के निदेशक डॉ. प्रबोध कुमार त्रिवेदी वप्रधान वैज्ञानिक डॉ. पूजा खरे प्रमुख रूप से मौजूद रहीं।

माधुरी दीक्षित को सता रही मां स्नेहलता की यादें

मुंबई। अभिनेत्री माधुरी दीक्षित ने अपनी दिवंगत मां स्नेहलता दीक्षित को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उन्होंने 'मुझे जीवन को

जैसा है वैसे स्वीकारने और उसका जश्न मनाने' की शिक्षा दी। बॉलीवुड अभिनेत्री ने एक बयान साझा कर बताया कि स्नेहलता दीक्षित का रविवार को ९० वर्ष की आयु में निधन हो गया। माधुरी ने इंस्टाग्राम पर अपनी मां के साथ वाली एक पुरानी तस्वीर साझा की और कहा कि वह उन्हें बीते पलों के जरिए याद रखेंगी। अभिनेत्री ने लिखा, आज सुबह उठी तो आई (मां) का कमरा खाली पाया। यह सपना लगता है। उन्होंने हमें जीवन को गले लगाना और उसका जश्न मनाना सिखाया। उन्होंने कई लोगों को बहुत कुछ दिया। हम उन्हें बहुत याद करेंगे लेकिन वह हमारी यादों में जिंदा रहेंगी। स्नेहलता दीक्षित का अंतिम संस्कार यहां वर्ली के वैकुंठ धाम में किया गया।

मलाइका अरोड़ा ने किया रैंप वॉक

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री मलाइका अरोड़ा ने हाल ही में श्लैक्मे फैशन वीकश २०२३ में रैंप वॉक किया है। इससे जुड़ा वीडियो और तस्वीरें सोशल मीडिया पर सामने आए हैं। मलाइका ने इस फैशन वीक में अरेंज कलर का आउटफिट पहना, जिसमें वह अपना परफेक्ट फिगर फ्लन्ट करती हुई दिखाई दीं। इस लुक को उन्होंने गोल्डन इयररिंग्स और लाइट मेकअप के साथ कम्पलीट किया है। मलाइका ने फैशन डिजाइनर भूमिका शर्मा को प्रेजेंट किया है। मलाइका के इस लुक को फैंस सोशल मीडिया पर खूब पसंद कर रहे हैं। मलाइका अरोड़ा ने इवेंट के दौरान ऐसे लटके–झटके दिखाए कि फैंस बार–बार उनकी तस्वीरें निहार रहे हैं। मलाइका अरोड़ा का हर अंदाज उन्हें पसंद आया। मलाइका अरोड़ा ने प्लाजो के साथ डीपनेक ब्लाउज पहना था। मलाइका अरोड़ा ने ऊपर से गाउन जैसी ड्रेस ले रखी थी। मलाइका अरोड़ा की तस्वीरों को फैंस खूब पसंद कर रहे हैं।

अजय देवगन ने 'भोला' के प्रमोशन के लिए शुरू की 'भोला यात्रा'

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता अजय देवगन ने अपनी आने वाली फिल्म भोला के प्रमोशन के लिए 'भोला यात्रा' शुरू की है। अजय देवगन इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म भोला को लेकर चर्चा में हैं। अजय देवगन ने भोला के प्रमोशन के लिये 'भोला यात्रा' शुरू की है। अजय देवगन ने इससे जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर किया है। इस वीडियो में अजय एक ट्रक के सामने खड़े हैं और उसे झंडा दिखाकर रवाना करते नजर आ रहे हैं। इस ट्रक पर फिल्म भोला के पोस्टर्स लगे हैं। भोला के मेकर्स ने फिल्म की रिलीज से पहले भोला यात्रा की शुरुआत की। इस ट्रक को ठाणे, सूरत, अहमदाबाद, उदयपुर, जयपुर, गुरुग्राम, दिल्ली, कानपुर और लखनऊ शहरों में भेजा जा रहा है। इस ट्रक को हर एक शहर में खड़ा किया जाएगा और लोगों के

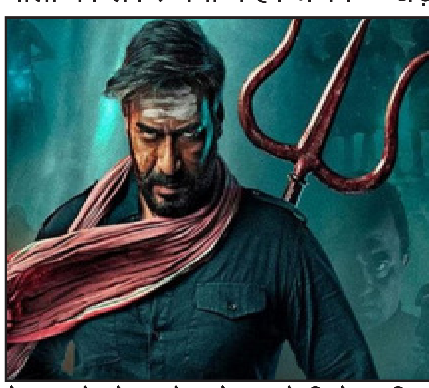

लिए एक मस्ती भरी शाम का आयोजन भी किया जाएगा। अजय देवगन की फिल्म 'भोला' दक्षिण भारतीय फिल्म कैथी की हिंदी रीमेक है। इस फिल्म में अजय के अलावा तब्बू, गजराज राव, दीपक डोबरियाल जैसे सितारे नजर आएंगे। भोला का निर्देशन भी अजय देवगन ने किया है। यह फिल्म ३० मार्च २०२३ को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय द्वारा सांई आफसेट प्रिन्टर्स, 40 वासुदेव भवन भातखण्डे संगीत महाविद्यालय के पीछे, कैसरबाग लखनऊ से छपवाकर एमआईजी 2/379 रश्मिखंड शारदानगर आशियाना लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
आर.एन.आई
UPHIN/2010/32566

सम्पादक
आरती पाण्डेय
मो.9415087228
9889745884. 9807059191. 9026560178

Email-
adbhutsamachar@yahoo.in
adbhut_samachar@rediffmail.com

सभी विवादों का न्यायक्षेत्र लखनऊ होगा।

समाचार पत्र में छपी समस्त प्रकार की खबरों एवं लेखों का स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय से किसी भी प्रकार का कोई लेना देना नहीं है। समाचार पत्र में छपी खबर एवं लेख पत्रकारों के अपने निजी विचार हैं। समाचार पत्र से जुड़े समस्त पत्रकारों के पद अवैतनिक हैं। और वह सब स्वतंत्र पत्रकार हैं। प्रकाशक/सम्पादक